वर्ष : 27 अंक : 53 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 12 फरवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

संगम तट पर श्रद्धालुओं का जनसमुद्र

महाकुम्भनगर। माघपूर्णिमा के अवसर पर चांद पूरा दिखा। महाकुम्भ के पावन स्नान पर्व माघ पूर्णिमा के लिए देश विदेश के श्रद्धालु मंगलवार की रात से ही महाकुम्भनगर पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं के इतने बड़े जनसमुद्र के संगम तक पहुंचने और पवित्र स्नान के बाद उनकी सुरक्षित वापसी के लिए मंगलवार रात से ही मेला क्षेत्र में बड़े बड़े वैरिएबल मैसेजिंग डिस्प्ले (वीएमडी) पर जरूरी संदेश दिए जाने लगे। जिससे श्रद्धालुओं को स्नान में बड़ी सहूलियत हुई। माघपूर्णिमा पर सुबह 9 बजे तक एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके थे। महाकुंभ में अब तक 46 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष निर्देश पर महाकुम्भनगर प्रशासन ने देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पूरे मेला क्षेत्र में व्यापक इंतजाम किए थे, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। (शेष-4 पर)

वॉर रूम में सुबह 4.00 बजे पहुंचे सीएम

लखनऊ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माघ पूर्णिमा के पावन स्नान पर्व के अवसर पर प्रयागराज में व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए प्रात: 4 बजे से ही=अपने सरकारी आवास 5 कालिदास मार्ग स्थित वॉर रूम में

बैठक की। वॉर रूम में वह डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह और मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों के साथ लगातार टीवी पर अपडेट लेते रहे और आवश्यक दिशा निर्देश भी देते रहे। इससे पूर्व सीएम योगी ने बसंत पंचमी अमृत स्नान के अवसर पर भी प्रात: साढ़े 3 बजे से वॉर रूम में अधिकारियों के साथ बैठक की थी और मॉनिटरिंग करते रहे थे।

मुख्यमंत्री ने माघ पूर्णिमा स्नान पर्व के इस महत्वपूर्ण आयोजन की सुरक्षा और व्यवस्था के संदर्भ में पूरी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि स्नान के दौरान किसी भी प्रकार की कोई भी असुविधा (शेष पृष्ठ-4 पर)

महाकुम्भ की आस्था में ओतप्रोत नजर आए अनिल कुंबले

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुंबले ने माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उनकी पत्नी चेतना रामतीर्था भी इस आध्यात्मिक यात्रा में उनके साथ रहीं। कुंबले ने संगम स्नान के बाद अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ सिर्फ एक शब्द लिखा और वो था ब्लेस्ड (आशीर्वाद)। (शेष पृष्ठ-4 पर)

एंटी ड्रोन सिस्टम 24 घंटे अलर्ट

महाकुम्भनगर। महाकुम्भनगर में माघ पूर्णिमा के पवित्र स्नान के लिए देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की विशेष सुरक्षा ऑपरेशन चतुर्भुज के जरिए की गई। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अंतर्गत यह स्पेशल ऑपरेशन चलाया गया। इसके अलावा आईसीसीसी की स्पेशल टीम भी सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाती रही, जिसने टेक्नोलॉजी का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए बेहद मजबूत सेफ्टी सर्किल बनाया। इसके जरिए मंगलवार की रात से ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा, अपराध नियंत्रण और क्राउड मैनेजमेंट के हर पहलू पर नजर रखी गई।

मेला के साथ पूरे शहर की निगरानी

इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) से पूरे मेला क्षेत्र के साथ साथ पूरे शहर की भी निगरानी की जा रही है। 2750 हाई-टेक कैमरों, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विशेष सुरक्षा टीमों के जरिए हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। महाकुम्भनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि ड्रोन से एरियल सर्विलांस के माध्यम से 24 घंटे पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर आईसीसीसी के जरिए सुरक्षा व्यवस्था के खास इंतजाम किए गए हैं। इससे क्राउड मैनेजमेंट में बड़ी मदद मिली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ड्रोन के जरिए पूरे मेला क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है।

एंटी-ड्रोन सिस्टम रहा अलर्ट मोड में

महाकुम्भनगर में एंटी-ड्रोन सिस्टम अलर्ट मोड में है। किसी भी संदिग्ध उड़ान को रोकने और सुरक्षा चूक से बचने के लिए यह प्रणाली सक्रिय की गई है। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर सुनिश्चित किया गया कि कोई भी संदिग्ध ड्रोन संचालित न किया जाए। पूरी मुस्तैदी से इस पर नजर रखी गई और सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

अच्छी तैयारियों के कारण सुरक्षित वातावरण में हुआ स्नान

प्रयागराज के डीआईजी वैभव कृष्ण ने माघ पूर्णिमा के अवसर पर स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन की तैयारियों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माघ पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए यहां पहुंच रहे हैं। इसको लेकर हम पहले से तैयार थे और हमने रणनीति के तहत तैयारियों को अच्छे से धरातल पर उतारा है। उनके अनुसार, सब कुछ नियंत्रण में है। पार्किंग, ट्रैफिक डायवर्जन और कुशल जनप्रबंधन के सभी साधन सक्रिय हैं जिससे प्रक्रिया को पूरा कराने में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उनके अनुसार, श्रद्धालु नियमों व कानून का पालन कर रहे हैं जिससे क्राउड मैनेजमेंट को और असरदार बनाने में मदद मिली।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी सतेन्द्र दास का निधन

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के पीजीआई में भर्ती अयोध्या में राम मंदिर में मुख्य पुजारी से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का निधन हो गया है। उन्होंने 85 साल की उम्र में लखनऊ PGI में अंतिम सांस ली। आचार्य सत्येंद्र दास को 3 फरवरी के दिन ब्रेन हेमरेज के बाद गंभीर हालत में लखनऊ PGI के न्यूरोलॉजी वार्ड के HDU में भर्ती कराया गया था. आचार्य सत्येंद्र दास के निधन पर अयोध्या के मठ मंदिरों में शोक की लहर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी (शेष पृष्ठ-4 पर)

सड़क हादसों में 3 की दर्दनाक मौत

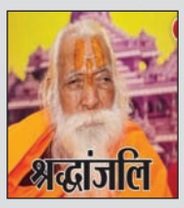

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर जिले के अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

ग्राम रोजा जलालपुर निवासी राहुल कुमार 10 फरवरी को घर से बिजली का सामान लेने के लिए जा रहा था। रास्ते में औरा कार के चालक इंद्रेश ने तेजी व लापरवाही से गाड़ी चला कर राहुल कुमार को टक्कर मार दी। इस हादसे में राहुल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए न्यू मेड अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। इस संबंध में मृतक के भाई सुमित कुमार ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-76 में कार की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मूल रूप से जनपद हरदोई निवासी रमेश हाल में परिवार सहित बरौला गांव मे रह रहे थे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

पूर्व प्रधान के बेटे को गोली मारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जारचा क्षेत्र के नगला चमरू गांव में मंगलवार देर रात पूर्व प्रधान के बेटे को घर से बाहर बुलाकर अज्ञात बदमाशों ने कई राउंड गोली चलाई। एक गोली पैर में लगने से युवक घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि थाना जारचा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम नंगला चमरू में अंकित पुत्र ऋषिपाल के घर पर धाबा बोलकर कुछ अज्ञात लोगों ने पैर में गोली मार दी। घायल अंकित को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

बहु ने लगाई फांसी, पति व देवर पर एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पति व देवर की मारपीट से प्रताड़ित होकर महिला द्वारा आत्महत्या करने के मामले में दो लोगों के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया है। महिला ने तीन दिन पूर्व अपनी ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। ग्राम कोंडली बांगर निवासी निर्देश कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी दो बहनों रेणु व मीनू की शादी 7 मई 2011 को लखनावली गांव निवासी मानसिंह उर्फ मोनू व संदीप के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही रेनू का पति मानसिंह आए दिन छोटी-छोटी बातों पर उसकी बहन को प्रताड़ित करता था। 9 फरवरी को मानसिंह व उसके छोटे भाई विदेश (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा प्राधिकरण में अब शुरू हो जाएगी ई-फाइलिंग, कवायद तेज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में दस्तावेजों की फाइलिंग प्रक्रिया को पेपरलेस करने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है। इसके लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। ई-फाइल प्रक्रिया को लागू करने के लिए साफ्टवेयर भी बनाया जा चुका है। जिसमें डाटा अपलोड करने की तैयारी है।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा.लोकेश एम ने मीडिया को बताया कि प्राधिकरण डाटा की सुरक्षा के लिए अपना डाटा सेंटर बनाने की तैयारी में है। इसके लिए नेशनल इंफर्मेशन सेंटर (एआईसी) को पत्र भी लिखा गया है। सीईओ ने कहा कि इस प्रक्रिया के लागू होने पर फाइलिंग प्रक्रिया में तेजी आएगी तथा फाइलों को ढूंढना भी आसान हो जाएगा।

बता दें कि इस प्रक्रिया के तहत संबंधित अधिकारी एक्सेज के जरिए साफ्टवेयर पर लॉगइन करेंगे तथा फाइल का नंबर डालते ही उनके डेस्कटॉप पर फाइल आ जाएगी। अपना डाटा सेंटर बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने एनआईसी को पत्र लिखकर डाटा स्पेस मांगा है। उनके जवाब का इंतजार है। फ्लिहाल अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है।

संपत्ति विवाद में बवाल, पिता व भाईयों ने दबाया गला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संपत्ति विवाद में मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति ने अपने पिता व भाइयों के खिलाफ थाना बादलपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसका गला दबाकर जान से मारने की भी कोशिश की गई।

राजनगर गाजियाबाद निवासी अनुज कपूर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि संपत्ति विवाद को लेकर उसका अपने पिता सतीश कपूर और छोटे भाई गौरव कपूर से कई वर्षों से विवाद चल रहा है। इस कारण उसके पिता व भाई उससे दुश्मनी की भावना रखते हैं। 25

अक्टूबर 2023 को वह प्रॉपर्टी से संबंधित कुछ कागजों को देखने के लिए बिसरख रोड छपरौला स्थित सूर्या प्रोसेसर प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री पहुंचा। यहां पर मौजूद उनके पिता सतीश कपूर, छोटे भाई गौरव कपूर तथा ताऊ के बेटे आशु ने उसे कागजात देने से इनकार कर दिया और गालियां देने लगे। उसने जब गाली देने का विरोध किया तो उसके छोटे भाई गौरव कपूर व आशु कपूर ने उसे मारना पीटना शुरू कर दिया और गला दबाने की कोशिश की।

शोर शराबा सुनकर फैक्ट्री का स्टाफ मौके पर पहुंच गया और किसी तरह उसे इन लोगों के चंगुल से बचाया। इसके बाद वह राजनगर स्थित अपने घर पहुंचा। उसकी पत्नी ने उसी समय पुलिस कंट्रोल रूम पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। इसके बाद उसकी पत्नी उसे लेकर थाना कविनगर पहुंची। पुलिस कर्मियों ने उसका मेडिकल कराया लेकिन उसकी रिपोर्ट नहीं लिखी। पुलिस कर्मियों ने तर्क दिया कि (शेष पृष्ठ-4 पर)

उप्र युवा व्यापार मंडल ने डा. पल्लवी शर्मा को दी जन्मदिन की बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। कैलाश अस्पताल की निदेशक डा. पल्लवी शर्मा के जन्मदिन पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने बधाई दी। उप्र युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन तथा प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता व अन्य पदाधिकारियों ने इस मौके पर डा. पल्लवी शर्मा को गुलदस्ता भेंटकर जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि डा. पल्लवी शर्मा ने बतौर मार्गदर्शिका उप्र युवा व्यापार मंडल को आगे बढ़ाने में हमेशा सहयोग किया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

एक्सप्रेस-वे के समानांतर राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने की तैयारी!

नोएडा (चेतना मंच)। एक्सप्रेस-वे के समानांतर अब पुश्ता रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग सर्वे रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। सर्वे रिपोर्ट आने के बाद नोएडा प्राधिकरण यह रिपोर्ट अनुमोदन के लिए शासन को भेजेगा। इसके बाद ही सिंचाई विभाग एनओसी जारी करेगी।

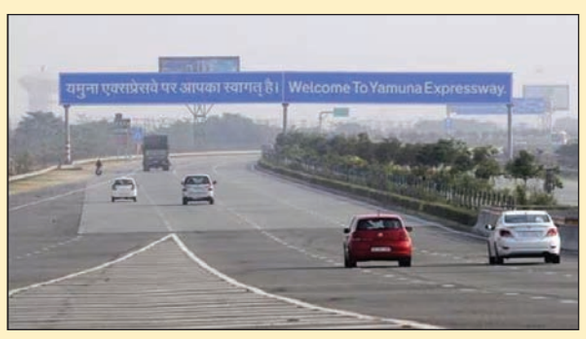

प्राधिकरण के पास इतना फंड नहीं कि वह इस एक्सप्रेस-वे के समानांतर एक नया एक्सप्रेस-वे

का निर्माण करा सके। इसलिए एचएसएआई से बार बार इसे लेने का आग्रह किया जाता है। जिससे नई कनेक्टिविटी को समय से तैयार की जा सके, लेकिन एनएच से यमुना तटबंध सड़क (लिंक रोड) नहीं जुड़ने की वजह से एनएचएआई हाथ खींच रहा था, अब प्राधिकरण ने इसका समाधान कर दिया है, पुश्ता रोड को एनएच घोषित करवाकर यमुना तटबंध सड़क (लिंक रोड) को चिल्ला एलिवेटेड के जरिये मयूर विहार के रास्ते अक्षरधाम चौक पर जोड़ दिया है।

नेशनल हाइवे अथारिटी आफ इंडिया तब तक इस लिंक रोड का निर्माण नहीं कर सकता जब तक प्रदेश सरकार से इस रोड के एनएच में शामिल होने की अधिकारिक घोषणा नहीं कर दी जाती। कंसल्टेंट कंपनी को प्राधिकरण के साथ परियोजना पर काम करने के लिए अटैच किया जा चुका है। जो नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के समानांतर नया एक्सप्रेस-वे बनाने की तैयारी शुरू कर चुकी है। परियोजना पूरा होने से 5 लाख वाहनों को सीधा लाभ मिलेगा, जो रोजाना नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे के रास्ते आते जाते है, जाम में जूझ परेशान होते हैं।

जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण करीब-करीब पूरा हो चुका है। संभवता अप्रैल में इसका संचालन शुरू किया जा सकता है। इसके बाद नोएडा ग्रेटर नोएडा पर यातायात भार दो गुना होने की बात कही जा रही है। इसलिए समस्या को ध्यान में रखकर प्राधिकरण की ओर से नई कनेक्टिविटी की (शेष पृष्ठ-4 पर)

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

'आप' का हश्र

देश को वैकल्पिक राजनीति व साफ-सुथरे प्रशासन देने के वायदे के साथ सत्ता में आई आम आदमी पार्टी का हालिया विधानसभा चुनावों में हुआ हश्र अप्रत्याशित नहीं है। निश्चित रूप से भाजपा के साधन-संपन्न बड़े संगठन और उसके केंद्र की सत्ता में होने का मुकाबला कर पाना किसी भी दल के लिये आसान नहीं था। भ्रष्टाचार के विरुद्ध चले अन्ना आंदोलन से उपजी आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल पार्टी के पोस्टर ब्वाय के रूप में तो उभरे लेकिन जब उन पर तथा उनके सहयोगियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, तो वे जनता की अदालत में खुद को पाक-साफ साबित नहीं कर पाये। दरअसल, पिछले एक दशक से केंद्र सरकार से लगातार टकराव, कोर्ट-कचहरी और आरोप-प्रत्यारोपों से दिल्ली की जनता भी तंग आ चुकी थी। निस्संदेह, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में आप ने रचनात्मक पहल जरूर की, लेकिन केंद्र सरकार व उसके प्रतिनिधि एलजी से लगातार जारी टकराव से दिल्ली का विकास अवरुद्ध होता नजर आया। लेकिन भाजपा ने जिस व्यापक स्तर पर और प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर दिल्ली का चुनाव लड़ा, उसके अप्रत्याशित परिणाम आने स्वाभाविक थे। इस तरह भाजपा ने ढाई दशक से अधिक के वनवास को खत्म करके सत्ता का वरण कर लिया। लेकिन 43 फीसदी मत व 22 विधायकों के साथ उभरी आप एक मजबूत विपक्ष की भूमिका में जरूर रहेगी। लेकिन यह जरूर है पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल व पार्टी के नंबर दो मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, सत्येंद्र जैन आदि अन्य धुरंधरों की हार से विधानसभा में आप की आवाज कमजोर जरूर हो जाएगी। वहीं कयास लगाए जा रहे हैं कि इन चुनावों के परिणाम से आप का अन्य राज्यों में विस्तार प्रभावित होगा। बहुत संभव है कि आप की पंजाब सरकार पर कुछ आंच आए। लेकिन एक बात तय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस भाजपा के प्रदर्शन को कमजोर आंका जा रहा था, वह एक बार फिर जीत की लय में दिखायी दे रही है। उसने हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में यह करिश्मा दिखाया। इस चुनाव में कांग्रेस का खाता न खुलना पार्टी के लिये निराशाजनक ही है। वहीं इंडिया गठबंधन के लिये भी यह स्थिति बेहद निराशाजनक है क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसके दो दल आप व कांग्रेस ताल ठोककर उतरे थे। इस चुनाव का एक रोचक पहलू यह भी रहा है कि अब तक मुफ्त की रेवड़ियों वाला आप का जो हथियार उसके विपक्षियों को पस्त करता रहा है, भाजपा ने उसी हथियार को आप के खिलाफ सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। खासकर महिलाओं को नकद राशि देने के भाजपा के वायदे ने गेमचेंजर की भूमिका निभायी। वहीं भाजपा के मजबूत संगठन और सशक्त चुनावी तंत्र ने तसवीर बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है। यही वजह है कि जहां भाजपा का खुशियों का कमल खिला, वहीं कांग्रेस की शून्य की हैट्रिक देश की सबसे पुरानी पार्टी को आत्ममंथन को बाध्य कर गई है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने आप को अपने सबसे मुश्किल दौर में पहुंचा दिया है। साथ ही यह भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में वैकल्पिक राजनीति के सपने के टूटने जैसा भी है। इसके अलावा अब आप नेतृत्व को पार्टी को एकजुट बनाये रखने की भी चुनौती होगी। वहीं भाजपा पर दबाव होगा कि दिल्ली में पानी,बिजली,जलभराव, सफाई की व्यवस्था बनाने के साथ ही कूड़े के ढेरों के अभिशाप से राष्ट्रीय राजधानी को मुक्त कराए। अकसर होने वाला वायु प्रदूषण का संकट दूर करना भी एक चुनौती है। यमुना की बदहाली दूर करने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच विजय रैली को संबोधित करते हुए लिया है, लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसी रैली में उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की सभी सीमाओं पर स्थित सभी राज्यों में पहली बार भाजपा की सरकारें सत्तारूढ़ हैं। उम्मीद है भाजपा इसे दिल्ली व एनसीआर के विकास का स्वर्णिम अवसर बनाएगी। विश्वास है कि डबल इंजन की सरकार किसी व्यवधान की दलील के बिना राष्ट्रीय राजधानी के गौरव को वैश्विक मापदंडों के अनुरूप ढाल पाएगी।

आखिर दिल्ली में क्यों ढ़हा 'आप' का किला?

दिल्ली में आम आदमी पार्टी का किला बुरी तरह ढ़ह गया है। आतिशी को छोड़कर पार्टी के लगभग तमाम दिग्गज नेता चुनाव हार गए और आप ने इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई है। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज आखिरी बार कुल 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी और अब 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में बड़ी वापसी हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे और यह विधानसभा चुनाव इस बार आम आदमी पार्टी के लिए नाक का बहुत बड़ा सवाल था लेकिन भाजपा ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम आदमी पार्टी की इतनी बड़ी हार के पीछे क्या प्रमुख कारण रहे और क्यों पार्टी की राजनीतिक स्थिति इतनी कमजोर हुई?

दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। अरविंद केजरीवाल ने यमुना को साफ करने, दिल्ली की सड़कों को पेरिस जैसा बनाने और साफ पानी उपलब्ध कराने जैसे जो तीन प्रमुख वादे दिल्ली की जनता से किए थे, वे एक दशक में भी पूरे नहीं हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह इत्यादि पार्टी के शीर्ष नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनकी गिरफ्तारी ने पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को कमजोर किया। इन घटनाओं ने पार्टी की स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल खड़े किए और जनता के विश्वास को कमजोर किया। खासतौर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और बाद में उनके इस्तीफे के कारण पार्टी के नेतृत्व में अस्थिरता आई और केजरीवाल की विश्वसनीयता में बड़ी कमी आई। केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्चर पर सवाल उठाए थे लेकिन शीशमहल के मुद्दे पर वे स्वयं 'वीआईपी कल्चर' के मुद्दे पर बुरी तरह घिर गए थे, भाजपा-कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर आप को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। राजनीति में आने से पहले केजरीवाल ने कहा था कि वो वीवीआईपी कल्चर को खत्म करेंगे, गाड़ी, बंगला और सुरक्षा लेने की बात से भी उन्होंने

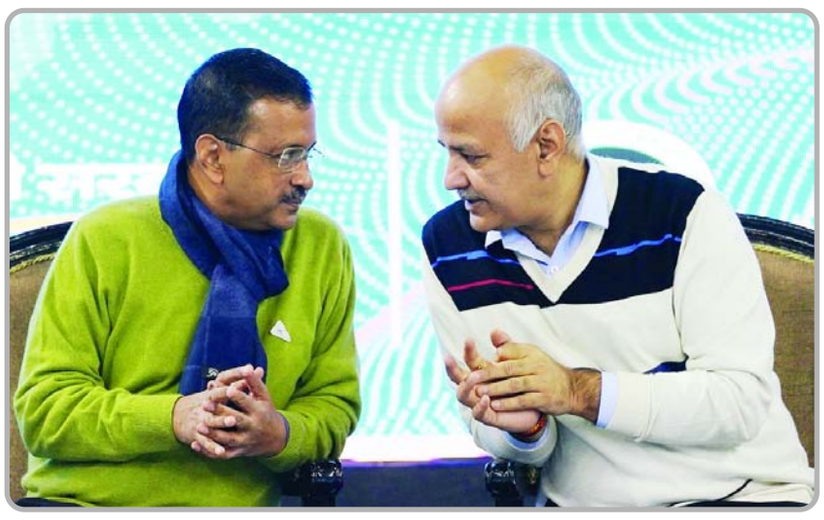

इनकार किया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन्होंने लग्जरी गाड़ियां तो ली ही, केंद्र से जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बावजूद पंजाब सरकार की शीर्ष सुरक्षा भी ली।

पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व के मुद्दों ने भी आप की हार में बड़ा योगदान दिया। कई वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने या निष्क्रिय होने से संगठनात्मक ढ़ांचे में कमजोरी आई। इसके अलावा नेतृत्व के प्रति असंतोष और निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के मनोबल को प्रभावित किया। आप सरकार ने बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में मुफ्त सेवाओं की घोषणा की थी लेकिन विपक्ष ने इसे 'रेवड़ी संस्कृति' कहकर आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताया। इसके अलावा, इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में आई समस्याओं ने जनता के बीच नकारात्मक धारणा बनाई, जिससे 'आप' की लोकप्रियता में गिरावट आई। दिल्ली में सड़क, परिवहन और स्वच्छता के क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढ़ांचे के विकास में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। इसके अलावा प्रदूषण, जलभराव और कूड़े के ढ़ेर जैसी समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता में केजरीवाल सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ी थी। इन मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता ने मतदाताओं को निराश किया। दिल्ली में आप की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को माना जाता रहा लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा ने भी 'आप' वाला ही दांव खेला और अपने चुनावी संकल्पों में महिलाओं, बच्चों व युवाओं से लेकर ऑटो रिक्शा चालकों तक के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की ही, साथ ही यह ऐलान भी किया कि वह सत्ता मिलने पर आप द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जारी करेगी। भाजपा की इन घोषणाओं से आप की चुनौती बहुत बढ़ गई थी।

विपक्ष और खासकर भाजपा की मजबूत रणनीति तथा भाजपा का मुखर प्रचार आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना। भाजपा ने आप सरकार की तमाम कमजोरियों को उजागर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। कांग्रेस ने भी इस तरह टिकट बांटे, जिसने कई सीटों पर आप को आसान जीत से रोकने में अहम भूमिका निभाई। भ्रष्टाचार, विकास की कमी और अन्य मुद्दों पर केंद्रित अभियानों ने जनता के बीच आप के प्रति नकारात्मक धारणा बनाई। भाजपा ने सामाजिक और धार्मिक मुद्दों को भी पुरजोर तरीके से उठाया, जिससे आप के समर्थन में बड़ी कमी आई। चुनाव से पहले कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन की चर्चाएं थी लेकिन हरियाणा विधानसभा में दोनों के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण दिल्ली में भी दोनों दलों के बीच गठबंधन नहीं हो सका, जिसके चलते विपक्षी मतों का विभाजन हुआ और इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला। कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करने के फैसले ने आप की रणनीतिक कमजोरी को उजागर किया और विपक्षी एकता की कमी का स्पष्ट संकेत दिया। इसका भी दिल्ली के मतदाताओं पर विपरीत प्रभाव पड़ा। पिछले दो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक भी सीट नहीं जीती थी। 2015 में कांग्रेस को 9.7 प्रतिशत मत मिले थे लेकिन 2020 में मतों का प्रतिशत गिरकर महज 4.3 फीसद रह गया था लेकिन इस बार कांग्रेस के मत प्रतिशत में जो बढ़ोतरी हुई है, उसका नुकसान भी आप को भुगतना पड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हर चुनावी सभा में 'आप' को ऐसी 'आपदा' करार देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरने का भरपूर प्रयास किया, जिसने जनता के फायदे के लिए मिलने वाली केंद्र की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया, उससे मतदाताओं के बीच आप की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा और प्रधानमंत्री के 'आपदा' वाले नारे से भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश कई गुना बढ़ा। दिल्ली की आबादी में पूर्वांचल (बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड) से आए लोगों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है और विपक्ष ने इस समुदाय की समस्याओं को नजरअंदाज करने के आरोप लगाते हुए आप सरकार को इस मुद्दे पर घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। छठ पूजा के दौरान यमुना नदी में जहरीले झाग की समस्या, आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने देना, बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों ने पूर्वांचली समुदाय में असंतोष बढ़ाया। इस उपेक्षा के कारण इस समुदाय का समर्थन आप से हटकर अन्य दलों की ओर गया और इसका नुकसान आप को भुगतना पड़ा।

बहरहाल, केजरीवाल का दावा था कि वे राजनीति में नैतिकता और शुचिता की राजनीति करने आए हैं लेकिन उन्होंने दूसरे राज्यों के चुनावों में जिस तरह से पैसा खर्च किया और दिल्ली में कोरोना काल के दौरान करोड़ों रुपये खर्च कर जो 'शीशमहल' बनवाया, उसे लेकर उन पर लगातार लगते रहे आरोपों का पार्टी के पास ही कोई कारगर जवाब नहीं था। देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने के बड़े-बड़े दावों के बीच शराब घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के छींटे, केजरीवाल की तानाशाहीपूर्ण नेतृत्व शैली, उनका अड़ियल रवैया, इस तरह की बातों से मतदाताओं का केजरीवाल से मोहभंग होता गया और भाजपा एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरती गई। कुल मिलाकर, केजरीवाल की कथनी और करनी के बीच बड़ा अंतर आप की हार का बड़ा कारण रहा। दिल्ली की खस्ताहाल सड़कों और बारिश के मौसम में जलभराव के मुद्दे ने भी दिल्ली में केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ाई। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही इस मुद्दे पर आप को घेरा, जिसने आप की लुटिया डुबोने में बड़ी भूमिका निभाई।

- योगेश कुमार गोयल

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जैसे सीप में चाँदी की और सूर्य की किरणों में पानी की (बिना हुए भी) प्रतीति होती है। यद्यपि यह प्रतीति तीनों कालों में झूठ है, तथापि इस भ्रम को कोई हटा नहीं सकता॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहि बिधि जग हरि आश्रित रहई। जदपि असत्य देत दुख अहई॥
जौं सपनें सिर काटै कोई। बिनु जागें न दूरि दुख होई॥

इसी तरह यह संसार भगवान के आश्रित रहता है। यद्यपि यह असत्य है, तो भी दुःख तो देता ही है, जिस तरह स्वप्न में कोई सिर काट ले तो बिना जागे वह दुःख दूर नहीं होता॥

जासु कृपाँ अस भ्रम मिटि जाई। गिरिजा सोइ कृपाल रघुराई॥
आदि अंत कोउ जासु न पावा। मति अनुमानि निगम अस गावा॥

हे पार्वती! जिनकी कृपा से इस प्रकार का भ्रम मिट जाता है, वही कृपालु श्री रघुनाथजी हैं। जिनका आदि और अंत किसी ने नहीं (जान) पाया। वेदों ने अपनी बुद्धि से अनुमान करके इस प्रकार (नीचे लिखे अनुसार) गाया है-॥

बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना। कर बिनु करम करइ बिधि नाना॥
आनन रहित सकल रस भोगी। बिनु बानी बकता बड़ जोगी॥

वह (ब्रह्म) बिना ही पैर के चलता है, बिना ही कान के सुनता है, बिना ही हाथ के नाना प्रकार के काम करता है, बिना मुँह (जिव्हा) के ही सारे (छहों) रसों का आनंद लेता है और बिना ही वाणी के बहुत योग्य वक्ता है॥

(क्रमशः...)

महंगाई के डर पर ग्रोथ के संकल्प की जीत

एक लंबे समय (लगभग पांच साल) तक भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को लगातार बढ़ाने के बाद पहली बार रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की दर में कटौती करते हुए उसे 6.5 प्रतिशत से घटा कर 6.25 किया है। यह फैसला हाल ही में संपन्न मौद्रिक नीति समिति की बैठक में किया गया। जानकारों का मानना है कि इससे उधार सस्ता हो जाएगा, जिससे हाऊसिंग और अन्य प्रकार के उधारों पर ईएमआई कम हो जाएगी, जिससे हाऊसिंग और उपभोक्ता मांग को बल मिलेगा। साथ ही साथ बिजनेस के लिए भी उधार सस्ता हो सकेगा, जिससे ग्रोथ को गति मिल सकेगी। हाल ही में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के तीन सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार ने एमपीसी में तीन नए सदस्यों की नियुक्ति की है। हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि किसने क्या कहा, लेकिन ऐसा लगता है कि नए सदस्यों के साथ-साथ कुछ पुराने सदस्यों ने भी रेपो रेट में कटौती का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि पिछली दो एमपीसी बैठकों में, बाह्य सदस्यों अशिमा गोयल और जयंत वर्मा ने दरों में कटौती के पक्ष में मतदान किया था, तथा तर्क दिया था कि आरबीआई द्वारा दरें ऊंची रखने पर जोर देने से विकास को नुकसान हो रहा है। जबकि अन्य चार सदस्य इसके खिलाफ थे। स्पष्ट है कि एमपीसी में नए सदस्यों के आने से रेट घटाने का रास्ता साफ हो गया। इस बार महंगाई के थोड़ा कम होने से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत बिंदु की कमी की गई है। भविष्य में महंगाई दर कम रहने के संकेत और अनुमान के साथ हम रेपो रेट में और कटौती की उम्मीद कर सकते हैं, जिससे मांग में विस्तार से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

ब्याज दर घटाने में क्या थी अन्य अड़चनें = ब्याज दरों में बदलाव या ठहराव देश की मौद्रिक नीति का एक मुख्य आयाम होता है, और इन्हें देश का केन्द्रीय बैंक यानी भारतीय रिजर्व बैंक निर्धारित करता है। दुनिया भर में नीतिगत ब्याज दरें अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती हैं। इसमें बैंक दर, रेपो दर, रिवर्स रेपो दर आदि शामिल होते हैं। 2016 में सरकार ने निर्णय लिया कि ब्याज दर का निर्धारण मौद्रिक नीति समिति करेगी, जिसमें रिजर्व बैंक के गर्वनर से अलावा 6 सदस्य होते हैं। बराबर के वोट होने पर रिजर्व बैंक के गर्वनर का वोट निर्णायक होता है। मौद्रिक नीति समिति 27 जून 2016 को पहली बार अस्तित्व में आई। मौद्रिक नीति समिति के लिए यह निर्धारित किया गया कि वो देश में महंगाई की दर को ध्यान में रखते हुए ही ब्याज दर का निर्धारण करेगी। यह तय किया गया कि महंगाई दर को 4 प्रतिशत, जमा-घटा 2 प्रतिशत की सीमा में रखने का लक्ष्य रखा जाए। इसे तकनीकी भाषा में महंगाई लक्ष्य यानी 'इनफ्लेशन टारगेटिंग' कहा जाता है। सामान्यतः भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति के बारे में अपनी धारणा के आधार पर ब्याज की नीतिगत दरों की घोषणा करता है। लेकिन इसके साथ ही अर्थव्यवस्था में ऋण की मांग और आपूर्ति पर भी इसे नजर रखनी होती है। इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक का मुख्य उद्देश्य मुद्रास्फीति को उसकी सीमा के बाहर जाने से रोकना है। हालांकि इनफ्लेशन टारगेटिंग तो 2016 से ही शुरू हुई थी, लेकिन 2014 से पहले, भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को लक्षित करने के लिए थोक मूल्य सूचकांक का उपयोग कर रहा था। 2014 में, जब रघुराम राजन भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर थे, तब भारतीय रिजर्व बैंक के तत्कालीन डिप्टी गवर्नर उर्जित पटेल की अध्यक्षता में एक समिति ने मुद्रास्फीति को लक्षित करने के लिए थोक मूल्य सूचकांक के बजाय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के उपयोग की सिफारिश की थी। उल्लेखनीय रूप से, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य उत्पादों का भार 46 प्रतिशत होता है, जबकि थोक मूल्य सूचकांक में खाद्य उत्पादों (निर्मित खाद्य उत्पादों सहित) का भार केवल 30 प्रतिशत ही होता है। यानी कहा जा सकता है कि मौद्रिक नीति समिति द्वारा अब उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का उपयोग अनिवार्य हो गया, जिसमें खाद्य उत्पादों का भार ज्यादा होता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार को विरासत में ही ऊंची मुद्रास्फीति मिली थी।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक दोनों ही तेजी से बढ़ रहे थे। यूपीए सरकार के अंतिम 3-4 सालों (जुलाई 2011-2014 तक) में ऊंची मुद्रास्फीति के चलते रेपो रेट काफी अधिक 7.25 से 8.5 प्रतिशत तक बनी रही। विरासत में मिली 8.00 प्रतिशत रेपो रेट को एनडीए सरकार के शुरुआती वर्षों, महंगाई के थमने के साथ अगस्त 2017 तक 6.00 प्रतिशत तक लाया गया। लेकिन 2016 में मौद्रिक नीति समिति के अस्तित्व में आने के बाद थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में कमी आने के बावजूद सीपीआई मुद्रास्फीति लक्ष्य पर आधारित रेपो दर बढ़ने लगी। थोड़ा बढ़ते-घटते यह जून 2019 में 6.00 से 6.5 प्रतिशत तक उच्च स्तर पर बनी रही। एनडीए सरकार के बाद के वर्षों में, सीपीआई में भी काफी गिरावट आई थी, और यह 3 प्रतिशत से भी कम पर बनी रही। मई 2020 और मई 2022 के बीच लंबी अवधि में रेपो दर मात्र 4.00 प्रतिशत के निम्न स्तर पर बनी रही। लेकिन उसके बाद मुद्रास्फीति और खास तौर पर सीपीआई मुद्रास्फीति की ऊंची दर के चलते रेपो दर लगातार बढ़ते हुए फरवरी 2023 तक 6.5 प्रतिशत तक पहुंच गई और पिछली मौद्रिक नीति समिति की बैठक तक इसी स्तर पर बनी रही। हालांकि इस दौरान थोक मुद्रास्फीति कई बार नीचे भी आई, लेकिन सीपीआई मुद्रास्फीति लक्षित मौद्रिक नीति के चलते रेपो रेट को मौद्रिक नीति समिति ने नहीं घटाया।

मुद्रास्फीति लक्षित मौद्रिक नीति पर मतभेद = कई अर्थशास्त्रियों ने अब सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। हालांकि, मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखना महत्वपूर्ण है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आम जनता मुद्रास्फीति से परेशान न हो, क्योंकि इसका सबसे अधिक असर गरीबों पर पड़ता है, लेकिन मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के आधार के रूप में सीपीआई या यहां तक कि डब्ल्यूपीआई की उपयुक्तता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सर्वप्रथम, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का विचार पश्चिम से आयातित विचार है। हम समझते हैं कि भारत जैसे विकासशील देश में मौद्रिक नीति के उद्देश्यों में विकास, रोजगार और गरीबों तथा वंचितों का उत्थान शामिल है। इन उद्देश्यों को संबोधित किए बिना कोई भी मौद्रिक नीति पूरी नहीं होती है। दूसरा, अगर हम देखें तो ऐसे कई मौके आए हैं, जब एमपीसी द्वारा सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण का पूर्णरूपेन पालन करने के बावजूद, मुद्रास्फीति न केवल नियंत्रित नहीं हुई, बल्कि कई मौकों पर 6 प्रतिशत के लाल निशान को भी पार कर गई। यह इस तथ्य को साबित करता है कि डब्ल्यूपीआई की तुलना में सीपीआई सही लक्ष्य नहीं है। हम समझते हैं कि सीपीआई खाद्य कीमतों से काफी प्रभावित होता है। तीसरा, हालांकि अकेले सीपीआई, मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के लिए उपयुक्त एंकर नहीं लगता है, थोक मूल्य सूचकांक भी सर्वथा उचित लक्ष्य नहीं है। इसलिए कुछ लोग सुझाव देते हैं कि इन दो सूचकांकों का अवश्य ही संयोजन या मिश्रण होना चाहिए।

-डा. अश्वनी महाजन
पूर्व कालेज प्रोफेसर

राशिफल

माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
घरेलू संपन्नता की तरफ बढ़ेंगे। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य अभी भी थोड़ा मध्यम है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुपए पैसों का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
समाज में सराहे जाएंगे। आकर्षण के केंद्र बनेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम संतान थोड़ा मध्यम रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
खर्च की अधिकतम मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम दिख रहा है। प्रेम, संतान अच्छा हो गया है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुपए पैसों का आवक बढ़ेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम संतान अच्छा, व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पे ध्यान दें। प्रेम संतान मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। डिस्टरबेंस के साथ कार्य प्रगति पर रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा पहले से सुधार की तरफ।

दिल्ली की जीत पर भाजपाईयों ने बांटी मिठाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर दिल्ली विधानसभा चुनाव की जीत पर आतिशबाज़ी कर लड्डू मिठाई बाँटकर जीत का जश्न मनाया और कार्यालय से सभी कार्यकर्ता दिल्ली भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय गये दिल्ली की जीत पर जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि यह जीत देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एवं दिल्ली की देवतुल्य जनता की जीत है दिल्ली की जनता का आभार दिल्ली की जनता ने भ्रष्टाचारी झूठ फ़रेब की गंदी राजनीति की सरकार को हटाकर मोदी जी की गारंटी वाली नीति को चुना है अब दिल्ली में भी डबल इंजन भाजपा सरकार बनने से दिल्ली का विकास होगा और अब दिल्ली के बाद पश्चिम बंगाल की बारी होगी।

इस अवसर पर मुख्यरूप से जिला मंत्री धर्मेन्द्र कोरी मनोज गर्ग जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र नागर ज़िला मंत्री गुरुदेव भाटी अनीता गौतम मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य सोमन्द्र नागर अंश नागर श्यामवीर भाटी कैप्टन पंचशील गुर्जर मनीष भाटी शिवम् राजपूत दिनेश भाटी पूजा गंगानिया ईश्वर वर्मा राजीव सिंघल मुकेश चौहान मोहित भाटी ओमवीर महेंद्र नागर राजेश शर्मा राजेश गोयल आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (चेतना मंच)। मोदी सरकार के जन विरोधी बजट के खिलाफ आज सीटू,एचएमएस, इंटक, एआईयूटीयूसी, यूटीयूसी, सेवा,मेक, एआईसीसीटीयू, आईसीटीयू, के कार्यकर्ताओं ने जंतर मंतर नई दिल्ली पर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड तपन सैन ने बजट के मजदूर किसान व आमजन विरोधी प्रावधानों को रेखांकित करते हुए सरकार के जन विरोधी बजट की कड़ी निंदा किया।

सीटू नेता अनुराग सक्सेना ने कहा कि बजट में महंगाई, बेरोजगारी, असमानता को नियंत्रित करने का कोई प्रावधान नहीं है। सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि यह बजट बड़े औद्योगिक घरानों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस बजट में जन समस्याओं और जनकल्याणकारी मुद्दों से कुछ लेना-देना नहीं है सच में यह बजट भारत की जनता, किसानों, मजदूरों, गरीबों और बेरोजगारों के साथ धोखा है क्योंकि इस बजट से उन्हें कोई राहत नहीं मिलने जा रही है।

पं. दीनदयाल की जयंती मनाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी गौतमबुधनगर में दादरी विधानसभा व ज़ेवर विधानसभा के 1106 बूथों पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई भाजपा ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने पुण्यतिथि समर्पण दिवस पर कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय एकात्म मानवतावाद पर अपने विचार दिये आज उन विचारों के साथ भाजपा की सरकारें अंत्योदय के अन्तर्गत अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक विकास कार्य कर लाभकारी योजनाओं को चलाकर जन जन तक के अंतिम व्यक्ति तक लाभ देने का काम कर रही है और उन्होंने बताया कार्यकर्ता समर्पण भाव से भाजपा के लिये अपनी एक इच्छानुसार स्वेच्छा से धन राशि डोनेट कर रहे डोनेट धनराशि को प्रदेश कोष में जमा किया जाएगा इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी गुरुदेव भाटी रवि जिन्दल अशोक भाटी कर्मवीर आर्य मानक चंद मनीष भाटी मनोज सिंह सत्यपाल शर्मा आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार में दलितों पर हो रहे अत्याचार : सुधीर भाटी

दादरी। समाजवादी पार्टी द्वारा पीडीए जन पंचायत पखवाड़े के अंतर्गत रविवार को दादरी के गांव धूम मानिकपुर में भगवान बाल्मीकि मन्दिर पर पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाई को छुआ था, लेकिन वर्तमान सरकार की जन विरोधी नीतियों के कारण प्रदेश का विकास एकदम ठहर गया है। प्रदेश सरकार के पास विकास के नाम पर बताने के लिए कुछ भी नहीं है उन्होंने कहा कि भाजपा शासन काल में दलितों पर अत्याचार हो रहे है। सत्ता में आने के बाद से ही भाजपा किसान, मजदूर, दलित, महिला, अल्पसंख्यक गरीब लोगों का उत्पीड़न कर रही है।। पूरे देश में भाजपा की जहां-जहां सरकारें हैं, वहां दलित उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं और दलितों के संवैधानिक अधिकारों को छीना जा रहा है। इससे देश की एकता अखंडता को खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा देश और प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ रही है। आज करोड़ लोग बेरोजगार हैं। जनता मंहगाई के बोझ से परेशान है। लेकिन सरकार जनता को राहत प्रदान करने के बजाय जनता की एकता को तोड़ने काम कर रही है। इस मौके पर मुख्य रूप से फकीरचंद नागर, जिला महासचिव सुधीर तोमर, हरवीर प्रधान, दीपक देवटा, दिनेश वाल्मीकि, मोहित नागर, हैप्पी पंडित, दीपक नागर, सुमित पंडित, जावर वाल्मीकि, प्रदीप वाल्मीकि, कमल सिंह, जयप्रकाश पारचा, बृजेश वाल्मीकि, जावेद अंसारी, विवेक वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

नागाबाबा

हमारा भारतवर्ष महान देश है
इसकी लाखों बोलियां और वेष हैं
भगवान भी आते हैं तो यहां की महिमा देखकर चकरा जाते हैं ।
फिर भी उनका हमारे देश से इतना प्यार है कि -
किसी ने पुकारा तो दौड़े चले आते हैं दिल की आवाज पर ही ,
भगवान श्री राम ने खाए थे शबरी के झूठे बेर
तुलसीदास जी ने यह किस्सा लिखा है ढेर और
भगवान कृष्ण ने दुर्योधन का मेवा त्याग विदुर घर साग खाया है,
हमारे ऋषियों ने भगवान को हमेशा भक्तों के वश में बताया है।
इधर कुछ बेरोजगार नौजवान प्रयागराज जाकर भगवान के इस व्यवहार को अच्छी तरह समझ गए हैं और वे भी भगवान को रिझाने के लिए नागा साधु बन गये हैं ।
अब वे नंग धड़ंग टहलते हैं
उन्हें देखकर अंग प्रदर्शन की स्वतंत्रता के लिए कुछ और भी नौजवान बाबा बनने का मन कर रहे हैं क्योंकि उनके नागा बाबा बन जाने पर
न खाने पीने के लाले रहेंगे
न गांजा शराब के ठाले रहेंगे। ऊपर से चेले चेलियों को भी पाले रहेंगे ।
न नागाबाबा के न चेले चेलियों के तन पर कोई कपड़ा रहेगा
न किसी बात का लफड़ा रहेगा।
युवा नागाबाबा कुमारी चेली को बोलते हैं
ओ डार्लिंग जरा कोई बढ़िया सा भजन सुनाओ!
चेली ने स्विच ऑन किया
एक हाथ कूल्हे पर दिया जोर-जोर से भजन का कैसेट बजने लगा ,
छोड़ दो आंचल जमाना क्या कहेगा
जरा बताइए नागा शिष्या को आंचल है ही कहां जिसे पकड़ा या छोड़ा जाएगा ।
यह भजन आधुनिक नागा बाबा को बहुत अच्छा लगता है बाबा जी ने गांजे की जोरदार कस लगाया और चेली के साथ-साथ गाने लगे
दम मारो दम
मिट जाएगा गम दममारो दम मिट जाए गम साथ में और नागाबाबा दुहराने लगे - रम पियो रम ,रम पियो रम ,
मिट जाए गम मिट जाए गम बोलो सुबह शाम आसाराम आसाराम। आसाराम।

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

भाकियू (बलराज) का धरना 17 फरवरी को

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) रूट्स कुलिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी मालिक के तानाशाह रवैए के विरोध में 17 फरवरी को रूट्स कुलिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के गेट पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेगी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि संगठन के कार्यकर्ता इमामुददीन ने कम्पनी मै लम्बे समय तक मेहनत मजदूरी कर कम्पनी को ठंडा रखने के लिए कुलिंग मशीन बनाकर दी लेकिन कम्पनी मालिक ने उनकी मेहनत का फल उनके साथ गाली-गलौज और बेईमानी करके दिया। कम्पनी मालिक ने गरीब इमामुददीन का लगभग 35 लाख रुपए का भुगतान नही किया जिससे वे कर्ज मै डूब गये है और परिवार भूखमरी के कगार पर है राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर व पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल को ज्ञापन के माध्यम से और मुलाकात कर इस सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल, जिलाध्यक्ष योगेश वैष्णव, प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल भाटी, प्रदेश सचिव सोनू खारी, प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा ईकोटेक-3 के थाना प्रभारी को कल अच्छे कार्यों के लिए योगी सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील खारी ने प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ने थाना प्रभारी जब से कार्य भार संभाले हैं तभी से क्षेत्र की कानून व्यवस्था एवं फरियादियों की समस्याओं का टीवी निर्धारण हो रहा है।

कांग्रेस का मत प्रतिशत बढ़ा : भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने अपने जारी बयान में कहा कि कांग्रेस पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिन-रात रहकर मेहनत की थी और प्रयास किया था कि कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों को वहां मदद मिले और मदद मिली भी, पिछली बार की अपेक्षा हमारा मत प्रतिशत बढ़ा है, जहां तक भारतीय जनता पार्टी की विजय और आम आदमी पार्टी की पराजय का सवाल है तो बड़े-बड़े वायदे करके भ्रष्टाचार को समाप्त करने का दम्भ भरकर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ एक झूठा माहौल तैयार करके केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे जिस तरीके से गाजे-बाजे के साथ वह आए थे उसी शानदार तरीके के साथ आज जनता ने उनको विदा कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी को अब देखना होगा कि किस प्रकार से वह सरकार चलाती है देश में तो पूरी तरीके से हम उनको नाकाम मानते हैं लेकिन दिल्ली में जनादेश उन्हें मिला है और इस

जनादेश का सम्मान करते हुए उन्हें दिल्ली के लोगों के हितों के प्रति सजग होकर काम करना चाहिए दिल्ली में प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों हमेशा कटघरे में रहे हैं, अब देखना यह है कि वहां भी कथित डबल इंजन की सरकार है अब यह इंजन डिरेल होता है या जनता के लिए कुछ काम करता है यह समय बताएगा। जहां तक कांग्रेस पार्टी का सवाल है कांग्रेस पार्टी फिर संगठित होगी फिर एकजुट होकर हम लोग जनहित के मुद्दों को उठाएंगे और जनता का समर्थन हासिल करने का प्रयास करेंगे।

सैक्टर पी-4 की समस्याओं के संबंध में जीएम प्रोजेक्ट को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर पी-4 की समस्याओं के संबंध में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जीएम प्रोजेक्ट ए के सिंह को सेक्टर की समस्याओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा है। इस संबंध में किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि सेक्टर के अंदर समस्याओं का अंबार है पिछले लंबे समय से सेक्टरों में नालियां एवं नालियों के ढक्कन टूटे पड़े हैं। पार्कों में झूले टूटे पड़े हैं ओपन जिम ख़राब पड़ी है एवं सेक्टर में आवारा कुत्तों का आतंक है जो कई बच्चों को काट चुके हैं पार्को में लगी कुर्सियों टूट गई है एवं पार्कों में डस्टबिन की आवश्यकता है जिससे साफ़ सफ़ाई मेंटेन रहे सीवर लगातार ओवरफ्लो हो रहे हैं। सेक्टरों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है आदि समस्याओं को लेकर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को प्रेषित ज्ञापन जीएम प्रोजेक्ट को दिया है उन्होंने जल्द ही सेक्टर का दौरा कर समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू. पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

प्रधानमंत्री की गारंटी की जीत है दिल्ली : भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के संयोजक प्रणीत भाटी ने कहा है कि दिल्ली के विधानसभा में प्रचंड जीत एवं मिल्कीपुर में विधानसभा के उपचुनाव में हुई जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गारंटी की जीत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी की सरकार से तंग आ चुकी थी उन्होंने कहा कि देश पूरी तरह से बदलाव की ओर अग्रसर है त्रिभाती ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार की योजनाओं से प्रभावित जनता सरकार के कामों से पूरी तरह से संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में जिस तरह से पार्टी प्रत्याशी की जीत हुई है उससे विपक्ष का पूरी तरह से सुपड़ा साफ हो चुका है।

भाजपा नेता ने की केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात

नई दिल्ली (चेतना मंच)। भारत सरकार के जनजातीय मंत्री जुएल ओराम से कल भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अखिल भारतीय बंजारा महासभा के उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष ताराचंद नायक ने दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर ताराचंद नायक ने बंजारा समाज के उत्थान को लेकर चर्चा की। श्री नायक ने बताया कि केंद्रीय जनजातीय मंत्री से उन्होंने मुलाकात किया और समाज के उत्थान को लेकर बातचीत की।

आयुषी बनी राष्ट्रीय अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आयुषी तेवतियों को किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ के पद पर नामित किया है उनके समाज और किसान मज़दूरों के लिए लगातार आवाज़ उठाने एवं पूरे देश में महिला शक्ति को मज़बूत करने के लिए संगठन में बड़ी ज़िम्मेदारी दी है इससे पहले भी वह किसान मज़दूरों के लिए आवाज़ उठाती रही है वह उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में लोकप्रिय चेहरा है इस संबंध में नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ आयुषी सिंधु तेवत्तिया ने कहा कि जो ज़िम्मेदारी संगठन ने दी है उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगी एवं पूरे देश में महिला शक्ति को मज़बूत कर किसान मज़दूर की आवाज़ को बुलंद करने का काम करूँगी उन्होंने महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी के लिए संगठन का आभार व्यक्त किया।

जेल में खेला गया फाइनल मैच

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कारागार में जेल प्रीमियर लीग टूर्नामेन्ट का फाइनल मुकाबला बेहद उत्साहजनक माहौल में खेला गया। इस लीग का आयोजन कैदियो के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया था। क्रिकेट की कुल 10 टीमे ,फूटबॉल की 02 टीमें व अन्य चैस, कैरम, लूडो, आदि टीमो द्वारा इस टूर्नामेंट में भाग लिया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक बृजेश कुमार, मंजीत सिंह सचिव गौतमबुद्धनगर (राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी), हरेन्द्र भाटी समाज सेवी, श्यामसेवा परिवार के अध्यक्ष मुकुल गोयल, एचसीएल फाउंडेशन टीम, इण्डिया विजन फाउंडेशन के रवि कुमार श्रीवास्तव, मिथुन प्रताप सिंह, विशाल, संजय कुमार शाही कारापाल, राजीव कुमार सिंह कारापाल, सुरजीत सिंह उपकारापाल, श्रीमती मनोरमा सिंह उपकारारापाल, शिशिर कान्त कुशवाहा उपकारापाल, मनोज कुमार सिंह उपकारापाल आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फ्री हेल्थ चैकअप का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम लडपुरा में शीला देवी फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा श्रीमती शीला देवी शर्मा की आठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया जिसमें स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की टीम ने मिलकर ? ग्राम वासियों को मुफ्त परामर्श दिया। कैंप में बीपी,शुगर,हड्डी(बोन मिनरल डेंसिटी), स्पिरोमेट्री(छाती रोग)आदि जांच मुफ्त में प्रदान की गई एवं खून बलगम ई.सी.जी. व पेशाब की जांच न्यूनतम दामों पर उपलब्ध कराई गई। मुफ्त उपचार के साथ-साथ ग्राम वासियों को मुफ्त दवाइया ? का वितरण भी किया गया। स्पेशलिस्ट की टीम में डॉ प्रशांत शर्मा(जनरल फिजिशियन), डॉ दीप्ति शर्मा(पैथोलॉजिस्ट, सफदरजंग अस्पताल), डॉ प्रतीक चौहान (चर्म रोग विशेषज्ञ), डॉ शगुन भाटिया(स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ गौरव गुप्ता(जनरल फिजिशियन), डॉ अभिषेक तोमर(दंत रोग विशेषज्ञ) शामिल थे।

शिविर में 100 मरीज पंजीकृत किए गए। ट्रस्ट के चेयरमैन व समाजसेवक सुभाष कुमार शर्मा ने ग्राम वासियों का उत्साह वर्धन किया एवं कैंप की सफलता पर ग्राम वासियों का आभार प्रकट किया।

रविंद्र शर्मा, जयपाल शर्मा, योगेश शर्मा, प्रवीण शर्मा एवं पंडित श्यामवीर शर्मा के महत्वपूर्ण योगदान द्वारा एक सफल शिविर का आयोजन किया जा सका। ट्रस्ट के सचिव रोहित शर्मा ने ग्रामवासियों को फिजिकल फिटनेस द्वारा बीमारियों से बचाव के लाभ के बारे में अवगत कराया।

फर्चीनर मार्केट के गोदाम में लगी भीषण आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना टीला मोड़ क्षेत्र के चौकी तुलसी निकेतन गांव भोपुरा में लाल गेट के पास फर्नीचर मार्केट में देर रात 2:00 बजे भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायरफाइटर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने लगे जिससे आग और न फैल सके। आग में लाखों का सामान जलकर खाक हो चुका है। मौके पर फायर विभाग के अधिकारी और पुलिस प्रशासन मौजूद हैं।

गाजियाबाद के चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि थाना टीला मोड़ क्षेत्र के भोपुरा गांव फर्नीचर मार्केट के कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई। आग बुझाने के लिए आसपास की जिले की गाड़ियां मौके पर बुलाई गई और आग पर काबू पाया गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। जबकि लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है।

उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए जनपद की 9 गाड़ियां, नार्थ इंडिया मॉल, आईजीएल व गौतमबुद्धनगर से 2 गाड़िया मंगाई गई। सुबह 8 बजे तक दमकल कर्मी आग बुझाने में जुटे रहे। प्लास्टिक के गोदाम में रुक रुक कर आग जल रही थी। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है।

सपाइयों ने मनाई संत रविदास की जयंती

ग्रेटर नोएडा। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर महान संत रविदास की जयंती मनाई गई और उनके जीवन पर विचार गोष्ठी का आयोजन कर उनके त्याग और जीवन दर्शन को याद किया गया।

इस मौके पर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि संत रविदास जी भारत में 15वीं शताब्दी में जन्मे के एक महान संत, समाज-सुधारक और ईश्वर के अनुयायी थे। ईश्वर के प्रति उनका असीम प्रेम और अनुराग था।

उन्होंने अपने अनुयायी और सामाजिक लोगों में सुधार के लिए अपने महान कविता लेखनों के जरिए विविध प्रकार के आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश दिए। उन्होंने समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। संत रविदास जी भारत

के उन विशेष महापुरुषों में से एक हैं जिन्होंने अपने आध्यात्मिक वचनों से सारे संसार को एकता भाईचारा का संदेश दिया।

इस मौके पर मुख्य रूप से डॉ महेन्द्र नागर, यूनुस प्रधान, एडवोकेट रामसरन नागर, मेहंदी हसन, नवीन भाटी, अकबर खान, दीपक नागर, कपिल ननका, सीपी सोलंकी, सुनील बदौली, हैप्पी पंडित, राहुल आर्यन, कुलदीप भाटी, अनूप तिवारी, इंजीनियर गजेन्द्र यादव, ब्राह्मपाल भाटी, उपेंद्र यादव, मलखान सिंह जाटव, असगर सैफी आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन रिफंड के चक्कर में गंवा दिए लाखों रुपये

नोएडा (चेतना मंच)। जैप्टो से की गई खरीदारी का रिफंड प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन गूगल के माध्यम से कस्टमर केयर के नंबर पर कॉल करना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। कस्टमर केयर के नंबर पर कॉल करते ही पीड़ित के खाते से बिना ओटीपी के 119556 रुपए ट्रांसफर हो गए। पीड़ित ने थाना सेक्टर-49 में मुकदमा दर्ज कराया है।

फरीदाबाद हरियाणा के रहने वाले प्रवेश कुमार सलूजा ने बताया कि वह 22 नवंबर को अपनी बेटी पायल खन्ना के सेक्टर 50 स्थित घर आया था। 25 नवंबर को उसने अपने बेटी के घर से ही फरीदाबाद में ऑनलाइन जैप्टो से खरीदारी का रिफंड करने के लिए ऑनलाइन गूगल के माध्यम से कस्टमर केयर का नंबर लिया था। उक्त नंबर पर कॉल करते ही उसके खाते से 119556 रुपए निकल गए। पीड़ित का कहना है कि पैसे निकलने से पूर्व उसके पास कोई ओटीपी भी नहीं आया। इस बात की जानकारी मिलने पर उनके दामाद विकास खन्ना ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस इस मामले में साइबर सेल की भी मदद ले रही है।

महिलाओं ने किया पथराव, बच्चा हुआ घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के ग्राम सैनी में दो महिलाओं ने घर में घुसकर गाली गलौज कर पथराव किया। महिलाओं द्वारा की गई मारपीट से (14 वर्षीय) बच्चा गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। पीड़ित ने दोनों महिलाओं के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम सैनी निवासी करतार सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 11 फरवरी को वह अपने परिवार के साथ घर में मौजूद था। शाम के समय वर्षा व सोनिया जबरन उसके घर के अंदर घुस आई और गंदी-गंदी गालियां देने लगी। उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो दोनों महिलाओं ने जान से मारने की नीयत से पथराव शुरू कर दिया। पथराव के बाद महिलाओं ने डंडे से उसके 14 वर्षीय पोते प्रतीक पर हमला कर दिया। सर में गंभीर चोट लगने से प्रतीक बेहोश होकर गिर गया।

मुकदमा वापस लेने के लिए माँ-बेटे से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। न्यायालय में चल रहे मुकदमे को वापस लेने को लेकर तीन दबंगों ने पड़ोसी के घर में घुसकर मां बेटे के साथ मारपीट की। मारपीट में मां बेटे को चोटें आई हैं। पीड़ित पक्ष ने थाना नॉलेज पार्क में तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम कोंडली बांगर निवासी आरिफ ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 10 फरवरी को गांव के रहने वाले सलाउद्दीन, साबिर व फिरोज उसके घर में जबरन घुस आए। आरोपियों ने उसके भाई अनवार व उसकी मां के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। तीनों आरोपियों ने धमकी दी कि उनके खिलाफ किए गए मुकदमे को वह वापस ले लें नहीं तो अंजाम बुरा होगा। आरिफ के मुताबिक उसके भाई अनवार व उसकी मां ने मुकदमा वापस लाने से इनकार किया तो तीनों आरोपियों में मारपीट शुरू कर दी। उसके भाई अनवार को फिरोज व साबिर ने पकड़ लिया और सलाउद्दीन ने जान से मारने की नीयत से दोनों हाथों से उसका गला दबा दिया। शोर शराबा सुनकर आस पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद आरोपी जान से मारने व झूठे केस में फसाने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

घर के सामने कार खड़ी करने पर विवाद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। घर के सामने से कार हटाने के विवाद में मारपीट तथा जानलेवा हमला करने के आरोप में पांच नामजद सहित 10 लोगों के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया गया है। न्यायालय के निर्देश पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है। ग्राम लुहारली निवासी शिवकुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पड़ोस में रहने वाला सुंदर आए दिन अपनी गाड़ी को उसके घर के दरवाजे के सामने लगाकर खड़ी कर देता था। इस कारण उसे तथा परिजनों को घर में आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। 13 नवंबर 2024 की सुबह सुंदर ने हमेशा की तरह अपनी गाड़ी उसके घर के सामने खड़ी कर दी। उसने जब गाड़ी को दरवाजे के सामने से हटाने को कहा तो सुंदर भड़क गया और गाली गलौज करने लगा। उन्होंने जब गाली गलौज का विरोध किया तो सुंदर ने अपने भाई नरेंद्र, शरदाराम, कृष्ण, बलराम व परिवार के चार-पांच अन्य व्यक्तियों को मौके पर बुला लिया। लाठी, डंडे, लोहे की रॉड तथा देसी कट्टे से लैस आरोपियों ने एक राय होकर उसके घर में घुसकर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। पीड़ित के मुताबिक जब वह अपनी जान बचाने के लिए घर के भीतर भाग तो सुंदर ने उस पर कट्टे से गोली चला दी जिसमें वह बाल बाल बच गया। किसी तरह उसने कमरे का दरवाजा बंद कर अपनी जान बचाई। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि आरोपी बलराम कई बार जेल जा चुका है और यह दबंग तथा आपराधिक पृष्ठभूमि का व्यक्ति है। पीड़ित के मुताबिक उसने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। पीड़ित ने आशंका जताई है कि उसके दबंग पड़ोसी भविष्य में उसके साथ किसी संगीन वारदात को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

इफको फूलपुर ने संजय कुमार मिश्र की द्वितीय पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज/फूलपुर। इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के कार्यालय में पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय संजय कुमार मिश्र की द्वितीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं इफको फूलपुर इकाई क्रिकेट टीम के सदस्यों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी, महामंत्री स्वयम् प्रकाश, बी.पी. सिंह (मुन्ना), सी.बी. सिंह, गौतम कुमार, अनिल कुमार यादव, एस.के. अवस्थी, पी.सी. मिश्र, विष्णु कांत तिवारी, एस.के. श्रीवास्तव, एन.के. मिश्र समेत कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

इस दौरान इफको फूलपुर इकाई क्रिकेट टीम के कप्तान राबिन रंजन अपनी टीम के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए और स्वर्गीय संजय कुमार मिश्र के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में सभी ने स्वर्गीय मिश्र के आदर्शों पर चलने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

किसान नेता बनकर धमकाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर में तीन लोगों के खिलाफ प्लॉट के विवाद में मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

मूल रूप से नालंदा निवासी राहुल प्रसाद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता ने तिलपता गांव में एक प्लॉट खरीदा था। 10 फरवरी की दोपहर को वह अपने प्लॉट पर आया था। इस दौरान तिलपता गांव का रहने वाला विपिन खारी अपने दो अन्य साथियों के साथ उसके प्लॉट पर आया और गाली गलौज करने लगा। विपिन खारी ने उसे धमकी दी कि अगर वह दोबारा प्लॉट की तरफ आया तो उसे जान से मार दिया जाएगा। पीड़ित के मुताबिक आरोपी खुद को किसान नेता बताता है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने विपिन खारी व उसके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

संगम तट पर...

इसके अलावा स्नान के बाद घाटों पर अधिक समय न बिताकर शीघ्र गंतव्य की ओर बढ़ने की लोगों से बराबर अपील भी की जाती रही। जिससे श्रद्धालुओं को माघ पूर्णिमा के स्नान के लिए बड़ी सुविधा मिली।

गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। माघ पूर्णिमा का पुण्यकाल 11 फरवरी की शाम 6:55 बजे से शुरू होकर 12 फरवरी की शाम 7:22 बजे तक है। इस महाआयोजन को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए मेला प्रशासन ने सख्त इंतजाम किए। घाटों पर भीड़ नियंत्रण से लेकर डिजिटल सूचना प्रणाली से श्रद्धालुओं को आवश्यक सूचनाएं प्रेषित की जाती रहीं। मेला प्रशासन ने जगह जगह बड़े बड़े वैरिएबल मैसेजिंग डिस्प्ले लगाकर श्रद्धालुओं से अपील की कि वे स्नान के बाद घाटों पर अधिक समय न बिताएं और शीघ्र अपने गंतव्य की ओर बढ़ें। इससे भीड़ नियंत्रण में काफी मदद मिली और सभी को सुगमता से स्नान का लाभ हुआ। वैरिएबल मैसेजिंग डिस्प्ले पर मंगलवार की रात से ही लगातार महत्वपूर्ण सूचनाएं, दिशा-निर्देश और सुरक्षा संबंधी अलर्ट प्रदर्शित किए जाते रहे।

चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद दिखे अधिकारी

महाकुम्भ-2025 के अंतर्गत बुधवार को माघ पूर्णिमा के अवसर पर स्नानार्थियों की उमड़ी भारी भीड़ के सुप्रबंधन को लेकर सीएम योगी की मॉनीटरिंग का असर साफ देखने को मिला। माघ पूर्णिमा के स्नान पर्व को स्नानार्थियों के लिए यादगार बनाने के सीएम योगी के निर्देश को धरातल पर उतारने के लिए सभी अधिकारी देर रात से ही ग्राउंड जीरो पर मुस्तैद रहे और सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करते रहे। एक तरफ पुलिस प्रशासन जहां श्रद्धालुओं की सुरक्षा में पूरी तरह सक्रिय नजर आया तो वहीं, मेला प्रशासन की ओर से घाटों के सुदृढ़ीकरण तथा स्नान के लिए नदियों में जलस्तर प्रबंधन की प्रक्रिया पूरी की गई। उल्लेखनीय है कि अपने सरकारी आवास पर सीएम योगी ने बुधवार को प्रात: 4 बजे से ही तमाम बड़े अधिकारियों के साथ मेला की लाइव मॉनीटरिंग शुरू कर दी थी। प्रमुख स्नान पर्व माघ पूर्णिमा को लेकर सीएम योगी की सख्त हिदायत थी कि किसी प्रकार की असुविधा का सामना स्नानार्थियों समेत प्रयागराज की जनता को न करना पड़े। ऐसे में, यातायात की सुगम व्यवस्था, उचित भीड़ प्रबंधन व सुरक्षा समेत विभिन्न पहलुओं को पूरी मुस्तैदी के साथ धरातल पर उतारने के लिए पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की टीम जुटी रही।

वॉर रूम में सुबह...

न हो और सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान की जाए। वह टीवी पर महाकुम्भ नगर समेत समस्त प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भीड़, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और सुविधाओं की लाइव फीड देखते रहे।

योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्नान स्थल पर पूरी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें और श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करें। साथ ही, उन्होंने आस्था के इस महान पर्व पर प्रशासन की तत्परता को बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं को बिना किसी समस्या के त्रिवेणी संगम में स्नान का लाभ मिल सके।

महाकुम्भ की आस्था में ...

इससे उनका तात्पर्य यही था कि त्रिवेणी संगम में स्नान कर उन्हें भी पुण्य की प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज का आशीष मिला। अपनी फिरकी से विरोधी बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाने वाले अनिल कुंबले मंगलवार को ही प्रयागराज पहुंच गए थे। हालांकि, त्रिवेणी स्नान के लिए उन्होंने माघ पूर्णिमा का पावन दिन चुना। इस दिन महाकुम्भ में वीवीआईपी प्रोटोकॉल जारी नहीं होता। इसके बावजूद वह सामान्य श्रद्धालु की तरह नाव पर सवार होकर त्रिवेणी संगम पहुंचे और संगम में स्नान किया। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी चेतना भी मौजूद रहीं। दोनों ने सूर्य को अर्घ्य दिया और पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर पुण्य डुबकी लगाई। उन्होंने नाव पर सवार होकर सेल्फी भी अपलोड की और माघ पूर्णिमा पर पूर्ण चंद्रमा की छवि भी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने कुंबले महाकुम्भ की भव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से अभिभूत नजर आए।

बहु ने लगाई फांसी...

ने उसकी बहन रेनू के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। आए दिन की प्रताड़ना से त्रस्त होकर उसकी बहन ने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

निर्देश के मुताबिक उसके बहनोई मानसिंह व उसके छोटे भाई विदेश की प्रताड़ना से त्रस्त होकर उसकी बहन ने आत्महत्या की है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पूर्व प्रधान के बेटे...

फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी व थाना जारचा पुलिस द्वारा मौके पर पहुँची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वादी से तहरीर लेकर एफआईआर दर्ज कर ली गयी है और पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज आदि से सबूत जुटाने की कार्यवाही की जा रही है। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

सड़क हादसों...

11 फरवरी को वह अपने घर से दवाई लेने के लिए जा रहे थे। सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास तेज गति में आ रही कार के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर स्थिति में उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे विजय कुमार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

वहीं थाना जेवर क्षेत्र में बाइक की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मथुरा निवासी संजय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपने चाचा राम रतन सिंह के साथ 7 फरवरी को सबोता आए थे। इसके बाद वह अपने चाचा को सबोता में छोड़कर मथुरा चले गए। इस दौरान उन्हें पता चला कि किसी अज्ञात बाइक सवार ने उनके चाचा राम रतन को टक्कर मार दी थी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन उनकी मौत हो गई। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

राम मंदिर के मुख्य...

आदित्यनाथ ने भी सतेन्द्र दास के निधन पर शोक जताया है। आचार्य सत्येंद्र दास के शिष्य प्रदीप दास ने बताया कि लंबी बीमारी के बाद लखनऊ के पीजीआई में सुबह करीब 8 बजे उनका निधन हुआ है। उनका पार्थिव शरीर PGI से अयोध्या लाया जा रहा है। उनके पार्थिव शरीर को अयोध्या लेकर शिष्य निकल चुके हैं। अंतिम संस्कार कल (13 फरवरी) अयोध्या में सरयू नदी के किनारे होगा। हाल ही में PGI ने हेल्थ बुलेटिन जारी कर बताया था कि सत्येंद्र दास को मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियां हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धांजलि

परम रामभक्त, श्री राम जन्मभूमि मंदिर, श्री अयोध्या धाम के मुख्य पुजारी आचार्य श्री सत्येन्द्र कुमार दास जी महाराज का निधन अत्यंत दु:खद एवं आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है। विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे तथा शोक संतप्त शिष्यों एवं अनुयायियों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

एक्सप्रेस-वे के समानांतर...

संभावना को तलाशा जा रहा था। बार बार यमुना तटबंध सड़क (लिंक रोड) को एक्सप्रेस-वे के समानांतर एक्सप्रेस-वे बनाने पर जोर दिया जा रहा है। जिससे नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे का यातायात भार कम किया जा सके।

संपत्ति विवाद में बवाल...

घटनास्थल उनके क्षेत्र का नहीं है इसलिए वह रिपोर्ट नहीं लिखेंगे। इसके बाद उसमें थाना बादलपुर में अपने पिता व भाइयों के खिलाफ तहरीर दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

उप्र युवा व्यापार...

वे समाज के प्रति हमेशा जागरूक रहती हैं। ब्रहामण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने भी डा. पल्लवी शर्मा को जन्मदिन की शुभकामनाएं व बधाई दी है।

महाकुंभ में माघ पूर्णिमा का स्नान

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में मेला क्षेत्र के सेक्टर-17 स्थित शक्ति धाम शिविर में गुरुदीक्षा प्राप्त करते एवं कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए विदेशी श्रद्धालुगण।

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

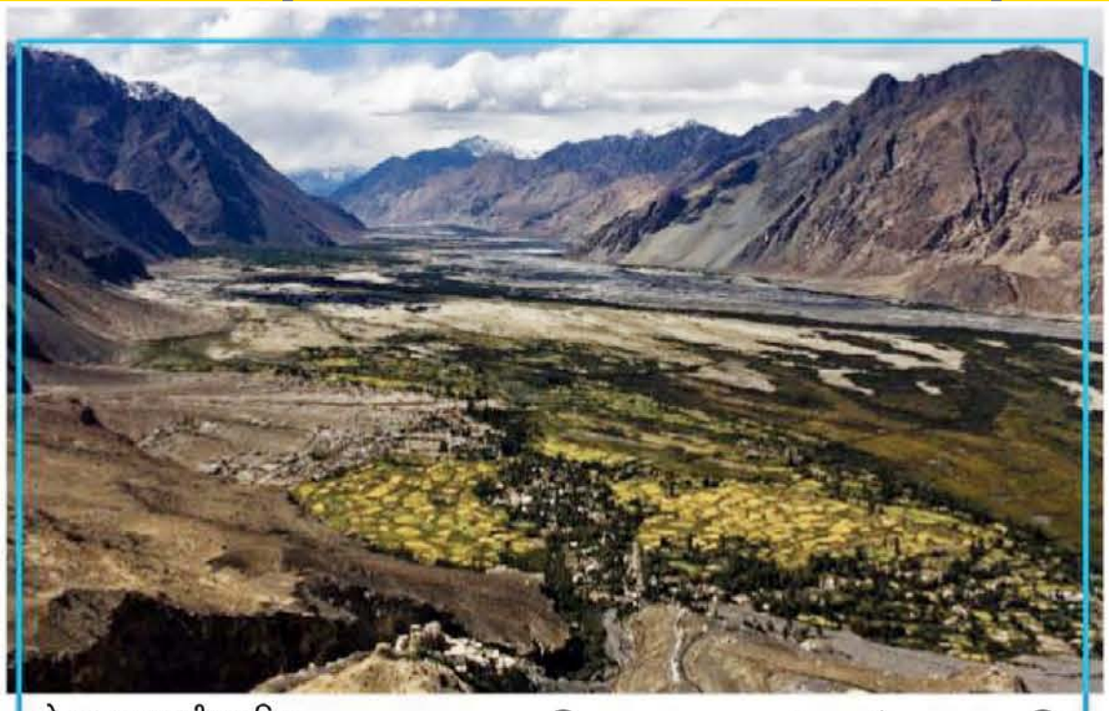

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जो चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौडा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

कावेरी कपूर में हर दृश्य को जीवंत बनाने की अद्भुत क्षमता है

कावेरी कपूर अपनी बड़ी स्क्रीन पर वर्धन पुरी के साथ निर्देशक कुणाल कोहली की आगामी फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। 11 फरवरी को ऑनलाइन रिलीज होने वाली यह फिल्म पहले से ही काफी ध्यान आकर्षित कर रही है। निर्माताओं ने पहला लुक और अपना पहला गाना जारी कर दिया है, जिसने पहले ही नेटिज़न्स द्वारा खूब सराहना हासिल की है। निर्देशक कुणाल कोहली ने अपनी नायिका की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, उनकी पहली फिल्म, बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी में कावेरी कपूर को निर्देशित करना एक अविश्वसनीय अनुभव था। एक नवोदित कलाकार के रूप में, वह सेट पर एक फ्रेश एनर्जी लेकर आईं, एक प्राकृतिक स्क्रीन उपस्थिति के साथ सच्ची भावनाओं का मिश्रण किया। उन्हें इतनी आसानी और समर्पण के साथ अपने किरदार में बदलते देखना वास्तव में अद्भुत था। उन्होंने यह भी बताया कि कैमरे का सामना करते समय कावेरी पूरी तरह से स्वाभाविक होती हैं। कावेरी एक अद्भुत प्रतिभा है -अपनी अभिव्यक्ति में सहज, अपनी कला के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध और हमेशा सीखने के लिए उत्सुक। एक अभिनेत्री के रूप में उनकी प्रवृत्ति उल्लेखनीय है, और उनमें हर दृश्य को जीवित बनाने की दुर्लभ क्षमता है। फिल्म की यात्रा के दौरान उनकी प्रगति को देखना खुशी की बात थी, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनका भविष्य उज्ज्वल है, उन्होंने निष्कर्ष निकाला। कावेरी कपूर, जो कि शेकर कपूर और सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी हैं, अब फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के लिए तैयार हैं। लेकिन यह पहली बार नहीं है जब वह कैमरे के सामने आएंगी। कावेरी, जो एक बेहद प्रतिभाशाली गायिका, गीतकार और संगीतकार हैं, पहले ही 4 म्यूजिक वीडियो में काम कर चुकी हैं और अब अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं।

आर्यन खान की सीरीज को मिली हीरोइन लक्ष्य बनेंगे हीरो!

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान इंडस्ट्री में बतौर डायरेक्टर डेब्यू कर रहे हैं। बहन सुहाना की तरह आर्यन भी OTT की दुनिया से डेब्यू कर रहे हैं। बीते दिनों नेटफ्लक्सि के इवेंट में उनकी वेब सीरीज का ऐलान हुआ। इस मौके पर शाहरुख खान से लेकर गौरी खान और सुहाना भी मौजूद थे। अनाउंसमेंट वीडियो देखने के बाद हर किसी की दिलचस्पी इस सीरीज में बढ़ गई है। अब ताजा खबर ये है कि आर्यन ने सीरीज में किल फेम एक्टर लक्ष्य लालवानी को कास्ट किया है। इसके साथ ही उनके अपोजिट सहर बाम्बा को बतौर लीड एक्ट्रेस चुना गया है। आर्यन खान की डेब्यू सीरीज की कहानी, कास्ट से लेकर रिलीज डेट और यहां तक कि टाइटल को लेकर भी मेकर्स ने रहस्य बनाए रखा है। यहां तक कि इवेंट में सीरीज के ऐलान के दौरान भी जो टाइटल बताया गया, वह पूरा नहीं है। खुद शाहरुख ने स्टेज से कहा कि आर्यन ने उन्हें पूरा नाम बताने के लिए मना किया है। The Ba***ds of Bollywood टाइटल में बीच के हिस्से को छुपाया जा रहा है। हालांकि, फिलहाल इसे द बैड्स ऑफ बॉलीवुड कहा जा रहा है।

करण देओल की डेब्यू फिल्म में थीं सहर बाम्बा

आर्यन खान की इस सीरीज को मां गौरी खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। अब पिंकविला की रिपोर्ट में कहा गया है कि करण जौहर की खतरनाक एक्शन फिल्म किल से करियर की शुरुआत करने वाले लक्ष्य इस सीरीज में लीड रोल प्ले करेंगे।

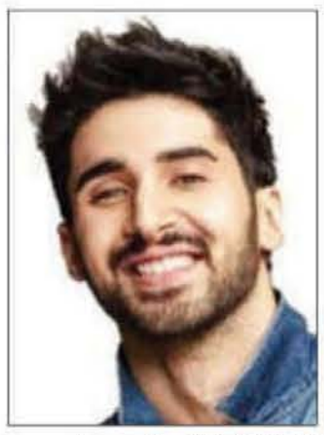

इसके साथ ही सनी देओले के बेटे करण देओल की फिल्म पल पल दिल के पास की एक्ट्रेस सहर बाम्बा को साइन किया गया है।

पहले स्टारडम था आर्यन की सीरीज का नाम

आर्यन की इस सीरीज का नाम पहले स्टारडम रखा गया था। लक्ष्य और सहर बाम्बा के साथ ही इस सीरीज एक लंबी-चौड़ी स्टारकास्ट होने वाली है। लेकिन फिलहाल इस पर चुप्पी है।

सीरीज में कैमियो कर सकते हैं सलमान, रणबीर, बॉबी, रणवीर और करण

पहले ऐसी खबरें भी आई थीं कि आर्यन खान की सीरीज में इंडस्ट्री के कुछ बड़े नाम शामिल होंगे, जिनमें सलमान खान, रणबीर कपूर, बॉबी देओल, रणवीर सिंह और खुद शाहरुख खान शामिल हैं। मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर भी इसमें एक एक एक्टेंडेड कैमियो कर सकते हैं।

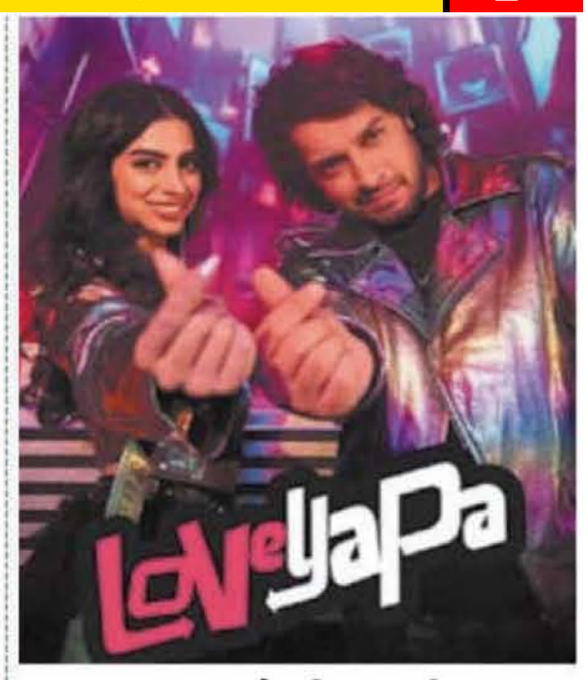

'लवयापा' ने किया निराश, बनी अद्वैत चंदन की सबसे कम ओपनिंग वाली फिल्म

बॉलीवुड की जगमगाती दुनिया में दो और स्टार किड्स ने आज बड़े पर्दे पर कदम रख दिया। आमिर खान के बेटे जुनैद और बोनी कपूर-श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर की फिल्म 'लवयापा' सात फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म के प्रचार में आमिर खान ने भी अपना खूब जोर लगाया। स्पेशल स्क्रीनिंग में आमिर के बेटे को अपना समर्थन देने के लिए शाहरुख खान और सलमान खान भी पहुंचे थे। 50 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म की शुक्रवार से असली परीक्षा शुरू हो चुकी है। अब यह दर्शकों के बीच आई है। आइए जानते हैं फिल्म ने ओपनिंग डे पर कितने रुपये की कमाई की

'लवयापा' ओपनिंग डे कलेक्शन

जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म 'लवयापा' ने बॉक्स ऑफिस पर ठंडी शुरुआती की है। फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क से प्राप्त शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने अब तक 1.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

अद्वैत चंदन की सबसे कम ओपनिंग वाली फिल्म बनी 'लवयापा'

'लवयापा' अद्वैत चंदन के निर्देशन में बनी तीसरी फिल्म है। इससे पहले जुनैद के पिता आमिर खान के साथ वह दो फिल्में बना चुके हैं। उनकी पहली फिल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार' सुपरहिट थी, जिसने बॉक्स ऑफिस से 63.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। यह फिल्म महज 15 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी। दूसरी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' थी। इस फिल्म में आमिर खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। 180 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने 61.36 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

तंडेल की शूटिंग के दौरान नौसेना हमें गिरफ्तार कर ले गई

नागा चैतन्य और साई पल्लवी अभिनीत तंडेल आज बड़े पर्दे पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म से चैतन्य करीब दो साल बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। हालांकि, यही एकमात्र कारण नहीं है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि यह सच्चे किरदारों वाली एक सच्ची कहानी है। अब हाल ही में नागा चैतन्य की सह सहकलाकार और अभिनेत्री साई पल्लवी ने अभिनेता से खास बातचीत की। उन्होंने एक मजेदार इंटरव्यू लिया, जिसमें नागा ने कई दिलचस्प बातें साझा कीं। नागा ने साई से कहा कि वह एक हिट फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें पर्दे पर आए दो साल हो चुके हैं। नागा चैतन्य ने फिल्म के लिए पानी पर शूटिंग की चुनौतियों पर सवाल का जवाब दिया। नागा चैतन्य ने याद करते हुए हंसते हुए कहा, पानी पर शूटिंग करना बहुत चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि ज्वार लगातार बदल रहा था। जब हम केरल में शूटिंग कर रहे थे तो नौसेना आई और हमें गिरफ्तार कर लिया। वे श्याम सर को नौसेना कार्यालय ले गए।

सच्ची घटना पर आधारित फिल्म चंदू मोंडेती और राम नरेश नुन्ना द्वारा सह-निर्देशित तंडेल 7 फरवरी को स्क्रीन पर आ चुकी है। माना जा रहा है कि फिल्म की कहानी एक वास्तविक जीवन की घटना से प्रेरित है, जिसमें आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के एक गांव के मछुआरे गलती से पाकिस्तानी जल में चले गए थे।

ऑडियंस का इंटरेस्ट हुआ कम, इसलिए जल्दी बंद हो जाते हैं टीवी शो

टीवी शो जाने अनजाने हम मिले की प्रोड्यूसर और राइटर सोनल कक्कड़ और गोल्डी बहल ने समाज में छिपी प्रथाओं को उठाने का फैसला किया है। उनका शो आटा-साटा प्रथा पर आधारित है, जो एक तरह की एक्सचेंज मैरिज है। हाल ही में बातचीत में, सोनल ने टीवी शोज के बदलते ट्रेंड्स, ओटीटी के असर और ऑडियंस की बदलती पसंद पर अपने विचार शेयर किए। आटा-साटा प्रथा को शो में दिखाने का फैसला क्यों किया इस बारे में सोनल कहती हैं, आटा-साटा एक ऐसी प्रथा है, जिसमें भाई-बहन की शादी एक ही परिवार में कर दी जाती है। यह कंसेप्ट मुझे इसलिए इंटरेस्टिंग लगा क्योंकि इसमें इमोशंस, फैमिली वैल्यूज और रियलिस्टिक एलीमेंट्स हैं। ओटीटी का टीवी शोज पर क्या असर पड़ा है इस सवाल का जवाब देते हुए, सोनल बताती हैं, आजकल ऑडियंस की पसंद बदल चुकी है। पहले लोग हल्की-फुल्की कहानियाँ पसंद करते थे, लेकिन अब वे गहरी और जटिल कहानियां चाहते हैं। ओटीटी के कंटेंट ने ऑडियंस की पसंद को और बेहतर बना दिया है। अब वे ऐसे शोज देखना चाहते हैं जो उन्हें सोचने पर मजबूर करें और जिनमें कई पहलू हो। यही वजह है कि हमने इस शो को पारिवारिक ड्रामा से ज्यादा गहरी सोच और ट्विस्ट के साथ डिजाइन किया है। यह आज के समय के हिसाब से काफी रिलेटेबल है। वैसे, पिछले कुछ सालों में कई नए टीवी शोज लांच हुए हालांकि वे ज्यादा समय तक टिक नहीं पाते। इस बारे में सोनल कहती हैं, आजकल ऑडियंस का अटेंशन स्पैन कम हो गया है। अगर शुरुआत में शोज ऑडियंस को आकर्षित नहीं कर पाते, तो वे जल्दी ही छोड़ देते हैं। ऑडियंस की उम्मीदें अब बहुत बढ़ गई हैं। वे ऐसे शोज देखना चाहते हैं, जो कुछ नया और दिलचस्प पेश करें। स्क्रिप्ट, किरदार और स्टोरीटेलिंग में नयापन लाना अब बहुत जरूरी हो गया है।

'भाग्य लक्ष्मी' में 'मलिष्का' का किरदार निभाएंगी मेघा प्रसाद

जी टीवी के लोकप्रिय टीवी सीरियल 'भाग्य लक्ष्मी' में नई अभिनेत्री मेघा प्रसाद शामिल हुई हैं। शो की मुख्य अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी। मेघा, मायरा मिश्रा की जगह लेंगी। मिश्रा ने इस धारावाहिक में नेगेटिव किरदार निभाया है। शो से संबंधित हर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो में नए सदस्य के स्वागत के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर मेघा प्रसाद की एक तस्वीर शेयर करते हुए ऐश्वर्या खरे ने कैप्शन में लिखा, भाग्य लक्ष्मी की मलिष्का आपका स्वागत है। मैं शो में आपको देखने के लिए उत्सुक हूं। तस्वीर के साथ ऐश्वर्या ने आमिर खान, रानी मुखर्जी और करीना कपूर स्टारर 'तलाश' फिल्म के गाने 'मुस्कानें झूठी हैं' को भी जोड़ा। भाग्य लक्ष्मी का प्रसारण जी टीवी पर होता है, जिसकी कहानी लक्ष्मी, ऋषि और मलिष्का के ईर्द-गिर्द घूमती है। ऋषि और लक्ष्मी की प्रेम कहानी में मलिष्का नई-नई चालें चलती नजर आती है। इससे पहले शो में लक्ष्मी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो में मेकअप खुद करने पर बात की थी। अभिनेत्री ने बताया था कि वह अपना मेकअप खुद करती हैं और ऐसा करने से उन्हें गर्व के साथ खुशी भी मिलती है। ऐश्वर्या ने बताया था कि उनके लिए मेकअप का मतलब सिर्फ अच्छा दिखना नहीं है बल्कि यह खुद के प्रति सच्चे रहने और संतुष्टि के लिए भी जरूरी है और हाथ में ब्रश और बगल में कॉफी का कप लेकर आईने के सामने बैठना अभिनेत्री के दिन की शुरुआत करने के पसंदीदा तरीकों में से एक है। खरे ने बताया था, यह मुझे खुद को जमीन जुड़ा रखने, आत्मविश्वासी महसूस कराने और अपने आप में रहने का आनंद लेने का मौका देता है। सादगी की अपनी सुंदरता होती है और खुद को लक्ष्मी के रूप में देखना मुझे गर्व से भर देता है। अभिनेत्री का शो के कलाकारों के साथ खास बॉन्ड है। उन्होंने बताया था कि वह अपनी ऑन-स्क्रीन बेटी त्रिशा सारदा में खुद का एक छोटा संस्करण देखती हैं। ऐश्वर्या ने कहा था, जब से पारो ने हमारे साथ शूटिंग शुरू की है, तब से वह हमारी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा बन गई है। शुरू में मुझे एक बच्चे के साथ शूटिंग करने में संदेह था। लेकिन, वह अपनी उम्र के हिसाब से बहुत प्रतिभाशाली और परिपक्व लड़की है। मुझे लगता है कि हम बहुत समान हैं, हर बार जब मैं उसे देखती हूं, तो मुझे लगता है कि मैं खुद का एक छोटा संस्करण देख रही हूं। ऐश्वर्या ने कहा था, मैं अक्सर उससे कहती हूं- तू बिल्कुल मेरी जैसी है, जब मैं बच्ची थी, तो मैं भी उनकी तरह हर चीज पर सवाल उठाती थी, जब तक कि मुझे स्पष्टता नहीं मिल जाती। वह सेट पर सभी के साथ बहुत अच्छी तरह से रहती है। कैमरे के सामने भी वह बहुत आत्मविश्वासी हैं, उन्हें बस एक बार स्पष्ट ब्रीफ दें और वह जानती हैं कि क्या करना है और कैसे करना है। मुझे लगता है कि मैं उनकी ऑन-स्क्रीन मां बनने के लिए बनी हूं।

सलमान सर के साथ काम करना सपने को जीने जैसा है

सलमान खान की फिल्म सिकंदर में एक बॉलीवुड एक्ट्रेस की एंट्री हुई है। खुद एक्ट्रेस ने फिल्म में काम करने की खबर को कन्फर्म किया है। यह एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि अंजिनी धवन हैं। 24 साल की अंजिनी ने पिछले साल ही फिल्म बिन्नी एंड फैमिली से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब अंजिनी को इस फिल्म में एंट्री मिल गई है। अंजिनी ने कहा... मैं इससे ज्यादा आभारी नहीं हो सकती हूं। हर बार जब मैं फिल्म के सेट पर जाती हूं तो मुझे खुद को चुटकी काटते हुए पूछना पड़ता है कि क्या यह रियल लाइफ है या मैं सपना देख रही हूं। हर एक दिन एक चुटकी लेने वाला पल होता है। अंजिनी, सलमान की बड़ी फैन हैं और उनके साथ काम करने को लेकर वह बहुत एक्साइटेड हैं। उन्होंने आगे कहा...मैं उनकी सबसे बड़ी फैन बनकर बड़ी हुई हूं। उनके साथ काम करना वाकई सपने को जीने जैसा है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन को धरातल पर उतार रही है सरकार: कांता कर्दम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा भाजपा द्वारा सेक्टर 116 भाजपा कार्यालय में समर्पण दिवस और दिल्ली की जीत पर बैठक का आयोजन किया गया।

इस मौके पर बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती कांता कर्दम (प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी) और अध्यक्ष मनोज गुप्ता रहे।

जिला प्रभारी कांता कर्दम ने इस मौके पर बताया कि आज केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय से प्रेरित होकर गरीब कल्याण के लिए अनेकों कार्यक्रम चला रही है।

पंडित दीनदयाल के राजनैतिक दर्शन के मूल में भी आपको 'राष्ट्र', संस्कृति, धर्म, उच्च आदर्श व समाज हमेशा रहा है। वे स्पष्ट उद्घोषणा करते थे कि 'राजनीति राष्ट्र के लिए' ही होनी चाहिए, और इसमें किसी भी प्रकार की संकीर्णता या स्वार्थ प्रेरित हित लाभ के दृष्टिकोण- अराष्ट्रीय प्रवृत्ति एवं भारत की राष्ट्रीयता के लिए एक प्रकार का खतरा ही हैं।

दिल्ली जीत पर उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा है। दिल्ली की जनता ने झूठे वादे करने और आश्वासन देने वालों को कड़ा जवाब दिया है। अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया पंडित दीनदयाल के विचारों से प्रेरणा लेकर हम सब समाज के विकास और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए सतत कार्य करें।

बैठक ने पूर्व विधायक विमला बाथम, भाजपा के महामंत्री गणेश जाटव, महामंत्री उमेश त्यागी, मनीष शर्मा, गिरिजा सिंह, हर्ष चतुर्वेदी, प्रसेनजीत मैत्रा, महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी, तन्मय शंकर, एस पी चमोली, अमरीश त्यागी, सचिन अम्बक्ता, चमन अवाना, प्रज्ञा पाठक, ओम यादव, गिरीश कोटनाला, ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। आयोजित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूक करना था।

अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व ने बैठक की अध्यक्षता करते हुये अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी या बैंक डिटेल्स शेयर न करने, अनजान इंटरनेट कॉल्स से सावधान, संदिग्ध गतिविधि की दें सूचना आदि सुझाव साझा किये गये।

उन्होंने कहा कि बच्चों के मोबाइल पर नजर रखें, बच्चों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले फोन को सुरक्षित रूप से प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें और समय-समय पर साइबर फ्रॉड से सुरक्षित रखने के लिए उनके मोबाइल को मॉनिटर करते रहें। उन्होंने कहा कि सतर्कता और जागरूकता से ही साइबर अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है।

जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी अंकुर बाछुका द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कार्मिकों को साइबर सुरक्षा, फिशिंग, हैकिंग, मालवेयर से स्वयं के कंप्यूटर उपकरणों एवं व्यक्तिगत खातों को बचाने की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कार्मिकों

को मजबूत पासवर्ड, दो चरणीय प्रमाणिकता, मजबूत स्क्रीन लॉक और बायोमेट्रिक, विश्वसनीय स्रोतों से मोबाइल एप्स डाउनलोड, सुरक्षित इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करने, संदिग्ध ईमेल और लिंक से बचने, सॉफ्टवेयर और एप्स को नियमित रूप से अपडेट करने से संबंधित जानकारी से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा की प्रक्रिया के तहत अधिकारीगण एवं कार्मिक अपने कंप्यूटर उपकरणों एवं उसमें रखी गई व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित बनाए रख सकते है।

साइबर सेल इंचार्ज बलजीत द्वारा बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उसके डोमेन की जांच करना बेहद जरूरी है। फर्जी साइटों से बचने के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानन्द मिश्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला सांख्यिकी अधिकारी शिवराज सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी हरिओम उपाध्याय, सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी एवं एनआईसी स्टाफ उपस्थित रहे।

सपा कार्यालय में हुई पीडीए पर पंचायत

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष फूल सिंह नंबरदार के कार्यालय पर पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। इस पंचायत में सपा मुखिया अखिलेश यादव की नीतियों पर चर्चा करने के साथ-साथ आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया गया।

पीडीए पंचायत को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष फूलसिंह नंबरदार ने पूर्व की सपा सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में चहुं और विकास हुआ था। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वह उन युवाओं की वोट बनवाने को प्राथमिकता दें जिनकी वोट अभी तक बनी नहीं है। इसके अलावा बूथ स्तर पर कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए कार्य करें।

सपा महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता ने भी कार्यकर्ता व पदाधिकारियों को एकजुट होने का आह्वान करते हुए अभी से प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने के निर्देश दिए। इस मौके पर प्रदेश सचिव जयकरण चौधरी, महानगर महासचिव विकास यादव, राम सहेली, बबलू चौहान सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

काम में लापरवाही बरतने पर एसीईओ ने प्रबंधक का रोका वेतन

अवर अभियंता और सुपरवाइज पर कार्यवाही के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने मंगलवार को सेक्टर-94 एनिमल शेल्टर व मुख्य मार्गो का निरीक्षण किया। इस दौरान सर्किल-9 के तहत बने एनिमल शेल्टर में नवीन सीसी कार्यो की गुणवत्ता ठीक न पाए जाने पर सर्किल-9 के प्रबंधक अंकित का वेतन रोकने और स्पीष्टिकरण देने और अवर अभियंता , सुपरवाइजर पर कार्यवाही करने का निर्देश दिए गए।

इस दौरान उन्होंने एनिमल शैल्टर से निकलने वाले गोबर के उपयोग के लिए गोबर गैस प्लांट तीन महीने में स्थापित करने निर्देश दिए। इसे सीएसआर फंड के जरिए लगाने को कहा गया। सर्किल-9 के अंदर एनिमल शेल्टर का काम आगामी 15 दिन में करने को कहा गया। बारिश के पहले खराब हो चुकी शेड्स को बदलने के लिए कहा गया। शेल्टर के अंदर इंटरलाकिंग टाइल्स और वॉल पेंटिंग लगाने के निर्देश दिए गए। 15 दिनों में शेल्टर के बाहर पेंटिंग कराने के निर्देश दिए। यहां से निकलने वाले गोबर का प्रयोग उद्यान विभाग में करने को कहा गया। यहां कुछ डॉग को त्वचा संबंधित रोग मिला। जिसे उपचारित कराने के निर्देश दिए।

नोएडा मीडिया क्लब के पूर्व अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष पर धोखाधड़ी व गबन का मुकदमा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 में नोएडा मीडिया क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष पंकज पाराशर व उपाध्यक्ष रिंकू यादव समेत अन्य लोगों पर धोखाधड़ी व अवैध धन निकासी के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। यह मुकदमा वरिष्ठ पत्रकार जेपी सिंह ने दर्ज कराया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा-318(4)/338/336(3)/340(02)/ 316 (5)/ 61 (2) के तहत मामला दर्ज किया है।

पंकज पराशर सहित तीन लोगों के विरुद्ध मीडिया क्लब में किए गए फर्जीवाड़े और भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके साथ ही पंकज पराशर के कथित काले धंधों में शामिल कुछ पत्रकारों और एनजीओ संचालकों पर भी आने वाले दिनों में पुलिस का शिकंजा कस सकता है।

पंकज के विरुद्ध यह पहला मामला है जिसमें किसी पत्रकार ने एफआईआर दर्ज कराई है। इस एफआईआर में पंकज व उसके साथियों पर फर्जी तरीके से संस्था पर कब्जा जमाए रखने और संस्था के धन का गबन करने का आरोप लगाया गया है। अधिकारिक पुलिस सूत्रों के अनुसार पंकज पराशर और उसके साथियों पर दर्ज मुकदमों की जांच बहुत गहनता से की जा रही है। जांच के लिए बाकायदा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की एक टीम पुलिस कमिश्नर द्वारा बनाई गई है। पुलिस की जांच के दायरे में वे सभी लोग हैं जो किसी भी रूप में पंकज पराशर के कथित अवैध धंधे में शामिल रहे हैं। इनमें कुछ पत्रकार और कथित गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) बनाकर ब्लैक मेल करने के धंधे में शामिल लोग भी बताए जा रहे हैं।

उधर ऐसी जानकारी भी सामने आ रही हैं कि पंकज पराशर के समाचार पोर्टल से जुड़े कुछ लोग अभी भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में सक्रिय हैं और अवैध कार्यों के लिए अधिकारियों पर दबाव बनाते हैं।

गोलचक्कर के पास बनेगा फुटओवर ब्रिज, सीईओ ने दिये निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली से नोएडा वाया सेक्टर-1 गोलचक्कर पर हैवी ट्रैफिक रहता है। यही पर

मेट्रो का सेक्टर-15 स्टेशन है। रोजाना हजारों की संख्या में मुसाफिरों का फुटफाल है। सड़क पार करने में आए दिन दुर्घटना होती है। साथ ही ट्रैफिक भी बाधित होता है। इसलिए यहां एक फुटओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम, जीएम जल व अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया।

एफओबी उद्योग मार्ग पर पर बनाया जा सकता है। इसकी फिजिबिलिटी देखी जा रही है। पब्लिक के मूवमेंट के हिसाब से ही एफओबी का एरिया तय किया जाएगा। प्राधिकरण ने बताया कि डीएससी रोड पर मेट्रो स्टेशन ही एफओबी का काम करते है। ऐसे में डीएससी रोड पार इसकी आवश्यकता नहीं है। पीक आवर में दिल्ली की तरफ से हैवी ट्रैफिक सेक्टर-1,2,14,15 की क्रासिंग पर आता-जाता है। इस ट्रैफिक के बीच से लोग आते जाते है। यहां दुर्घटना होने की प्रबल संभावना है।

इसलिए जल्द से जल्द एफओबी बनाने की प्लानिंग है। सर्वे रिपोर्ट आने के बाद इस एफओबी का एस्टीमेट तैयार किया जाएगा। निर्माण शुरू कराया जाएगा। वहीं सेक्टर-37 पर बनाए जाने वाले दो एफओबी की योजना को फिलहाल रोक दिया गया है। प्राधिकरण ने बताया कि जिस स्थान से पब्लिक सड़क पार करती है वहीं पर मेट्रो एलिवेटड और फ्लाईओवर दोनों है। ऐसे में यहां एफओबी का निर्माण करना मुश्किल है।